

न्यू

हर 6000/- की खरीदी पर एक चांदी का सिक्का फ्री

ओम ज्वेलर्स

शुद्ध सोने एवं चांदी के जेवरों के विक्रेता

टोटल हालमार्क ज्वेलरी उपलब्ध

जवाहर मार्केट, मेन सर्विस रोड, पावर हाऊस, भिलाई

SUNDAY OPEN

शुभ खरीदी के लिए ओम ज्वेलर्स परिवार में आपका स्वागत है

मिनीमम एमाउंट में बुकिंग करें

जितना सोना उतना चांदी फ्री

संबंधित प्रतिष्ठान : ओम ज्वेलर्स

शॉप नं. 64 बी इंदिरा मार्केट, दुर्ग | बाजार चौक, कुम्हारी | रिसाईपारा, धमतरी

खबर संक्षेप

6 जुआरी गिरफ्तार

भिलाई। शहर के नदी रोड स्थित वाटर फिल्टर प्लांट के पास सार्वजनिक स्थान पर 52 पत्ती ताश से जुआ खेल रहे छह लोगों को सिटी कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे और फड़ से कुल 5,760 रुपए नकद, 52 पत्ती ताश की गड्डी और एक चटाई जब्त की है। कार्रवाई 13 सितंबर की शाम मुखबिर की सूचना पर की गई। फिल्टर प्लांट के पास कुछ लोग 52 पत्ती ताश पर रुपये-पैसों की हार-जीत का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं। पुलिस ने सभी को पकड़कर पूछताछ की। गिरफ्तार आरोपियों में संतोष अहिरवार (54 वर्ष), दुर्गेश साहू (36 वर्ष), महेश जोहर (60 वर्ष), राहुल सारथी (26 वर्ष), नटवर सारथी (43 वर्ष) और संतोष सारथी (28 वर्ष) शामिल हैं। सभी आरोपी दुर्ग के हरनाबांधा क्षेत्र के रहने वाले बताए गए हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से जुए की रकम और फड़ की रकम मिलाकर कुल 5,760 रुपए, एक गड्डी 52 पत्ती ताश और एक चटाई गवाहों के समक्ष जम्ब की। पुलिस के मुताबिक आरोपियों का कृत्य छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 3(2) के तहत पाया गया। सभी आरोपियों को 13 सितंबर को शाम करीब 5.30 बजे विधिवत गिरफ्तार किया गया। मामला जमानती होने के कारण सक्षम जमानतदार पेश करने पर आरोपियों को जमानत एवं स्वयं के मुचलके पर रिहा कर दिया गया।

चापड़ लहराकर लोगों को डराने वाला गिरफ्तार
भिलाई। नेहरू नगर तालाब के पास धारदार हथियार लहराकर आने-जाने वाले लोगों को डराने वाले एक युवक को उतई पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से धारदार चापड़ बरामद किया है। आरोपी के पास हथियार रखने से संबंधित कोई वैध लाइसेंस या दस्तावेज नहीं मिला। पुलिस के मुताबिक 14 सितंबर को थाना उतई को सूचना मिली थी कि नेहरू नगर तालाब के पास एक व्यक्ति हाथ में धारदार हथियार लेकर उसे लहरा रहा है। पुलिस ने जब उससे हथियार रखने के संबंध में वैध दस्तावेज मांगे तो वह कोई लाइसेंस या अन्य वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। पुलिस ने मामले में धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की। गिरफ्तार आरोपी की पहचान रूपेश कुमार साहू उर्फ गोविंदा (27 वर्ष), निवासी, नेहरू नगर उतई के रूप में हुई है।

अग्रिम जमानत की सूचना देने सुपेला थाना पहुंचीं उद्योगपति संगीता केतन शाह

हरिभूमि न्यूज ►►भिलाई
जुनवानी में जमीन से जुड़े मामले में उद्योगपति संगीता केतन शाह सोमवार को सुपेला थाना पहुंचीं। उन्होंने मामले में मिली अग्रिम जमानत की जानकारी पुलिस को दी, जिसके बाद पुलिस ने उनका बयान दर्ज किया। जानकारी के मुताबिक, संगीता केतन शाह के खिलाफ सुपेला थाने में जुनवानी की जमीन से जुड़े मामले में अपराध दर्ज है। मामला जमीन के सौदे और रकम के लेनदेन से संबंधित शिकायत के बाद न्यायालय के आदेश पर दर्ज किया गया था। इस मामले में उनके पति एवं उद्योगपति केतन शाह का नाम भी सामने आया है। बाद में छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट से संगीता केतन शाह

और केतन शाह को अग्रिम जमानत मिलने की जानकारी सामने आई थी। अग्रिम जमानत मिलने के बाद पुलिस को इसकी सूचना देने और कानूनी प्रक्रिया के तहत थाने में उपस्थित होने के क्रम में संगीता केतन शाह सोमवार को सुपेला थाना पहुंचीं। थाने में पुलिस अधिकारियों ने संबंधित मामले को लेकर उनका बयान दर्ज किया। पुलिस अब मामले की विवेचना में उनके बयान और उपलब्ध दस्तावेजों को शामिल करेगी। इस जमीन विवाद में शिकायतकर्ता की ओर से लगाए गए आरोपों के मुताबिक जमीन के सौदे को लेकर रकम का लेनदेन हुआ था, लेकिन बाद में रजिस्ट्री नहीं होने का आरोप लगाया गया। वहीं, बचाव पक्ष की ओर से अदालत में अलग तथ्य और दलीलें रखी गईं

थीं, जिनमें बयाना राशि वापस किए जाने और पहले से चल रहे दीवानी विवाद को उल्लेख शामिल है। यहां यह स्पष्ट करना जरूरी है कि जमीन के लेनदेन को लेकर लगाए गए आरोप अभी विवेचना और न्यायिक प्रक्रिया का हिस्सा हैं। किसी पक्ष को दोषी ठहराने का अंतिम निर्णय अदालत द्वारा ही किया जाएगा। फिलहाल संगीता केतन शाह के सुपेला थाना पहुंचने और बयान दर्ज होने को मामले की जांच में एक महत्वपूर्ण कानूनी प्रक्रिया के रूप में देखा जा रहा है। पुलिस मामले से जुड़े दस्तावेजों और पक्षकारों के बयानों के आधार पर आगे की कार्रवाई करेगी। थाना प्रभारी एसएम सिंह ने बताया कि उन्हें हाईकोर्ट से जमानत मिली है। जमानत के बाद आगे होने वाली कार्यवाही को लेकर वे अपने अधिवक्ता के साथ थाना पहुंची थी, जहां उनका बयान दर्ज किया गया।

हरिभूमि न्यूज ►►भिलाई

जुनवानी स्थित सूर्या टीआई मॉल के सेंकंड फ्लोर पर स्थित एक स्या सेंटर में अवैध गतिविधियों की शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने औचक जांच और रेड कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान स्या सेंटर के अंदर युवतियां और अन्य लोग मौजूद मिले। पुलिस ने सभी को बाहर निकालकर मामले की जांच की। हालांकि, फिलहाल जांच के दौरान किसी भी प्रकार के अनैतिक कार्य की पुष्टि नहीं हुई है। सभी पर बाइंड ओवर की कार्रवाई की गई। पुलिस की यह कार्रवाई एएसपी सिटी शोभराज अग्रवाल के निर्देश पर की गई। टीम में भिलाई नगर सीएसपी निशांत पाठक, डीएसपी

आईयूसीएडब्ल्यू भारती मरकाम, सुपेला थाना प्रभारी एसएम सिंह और स्मृति नगर चौकी प्रभारी अमित अंडानी सहित पुलिस बल मौजूद रहा। पुलिस को स्या सेंटर में अवैध गतिविधियां संचालित होने की शिकायत मिली थी। शिकायत की गंभीरता को देखते हुए अंदर लोगों की मौजूदगी मिलने पर

पहुंचकर जांच की। कार्रवाई के दौरान सेंटर के अंदर कई युवतियां और अन्य लोग मौजूद मिले। मॉल प्रबंधन के अनुसार, जिस स्थान पर यह स्या सेंटर संचालित था, वह सोल्ड प्रॉपर्टी है और वहां की बिजली तथा पानी की सप्लाई भी बंद कर दी गई है। इसके बावजूद अंदर लोगों की मौजूदगी मिलने पर

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की और वहां मौजूद लोगों को बाहर निकाला। जांच के दौरान पुलिस ने करीब 7-8 युवतियों के खिलाफ मुचलका पाबंद की कार्रवाई की है। पुलिस का उद्देश्य भविष्य में किसी भी संदिग्ध या अवैध गतिविधि में उनकी संलिप्तता पाए जाने पर कार्रवाई सुनिश्चित करना है। भिलाई नगर सीएसपी निशांत पाठक ने मामले को लेकर स्पष्ट किया कि शहर में स्या सेंटरों की आड़ में यदि किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि संचालित होने की शिकायत या जानकारी मिलती है तो पुलिस द्वारा जांच और वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि ऐसे ठिकानों पर पुलिस की चेकिंग आगे भी जारी रहेगी।

गरमाई शहर की राजनीति, दावेदारों के बधाई पोस्टर से पटे चौक-चौराहे निकाय चुनाव : चंदे से मंच और डोनेशन से चीफ गेस्ट बनने की मची नेताओं में होड़

हरिभूमि न्यूज ►►भिलाई

दुर्ग जिले में नगर निगम चुनावों को लेकर तारीख और टिकट की घोषणा भले ही न हुई हो, लेकिन आरक्षण होने के बाद से भिलाई, रिसाली और भिलाई तीन शहर की राजनीति तेज हो गई है। शहर के राजनीतिक गलियारों में चुनावी गर्माहट साफ महसूस होने लगी है। मेयर (महापौर) पद की रेस में शामिल होने वाले भाजपा और कांग्रेस के दावेदारों की संख्या अचानक तेजी से बढ़ी है। सबसे अधिक दावेदार सत्तारूढ़ पार्टी भाजपा में दिखाई दे रहे हैं। भिलाई में लगभग हर ओबीसी नेता मेयर बनने के सपने देख रहा है। कई लोगों ने अभी से अपने धन की तिजोरी खोल दी है और शहर में होने वाले सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक कार्यक्रमों के मंच में मुख्यातिथि बनने के लिए बड़-चढ़ कर चंदा दे रहे हैं। इसके बाद उनके फेसबुक, ट्विटर, इंस्टा जैसे सोशलमीडिया अकाउंट में कार्यक्रम की फोटो डाली जा रही है और पार्टी के बड़े नेताओं को टैग किया जा रहा है, जिससे उनका ध्यान उनके ऊपर जाए और उन्हें महापौर का टिकट मिल सके। भाजपा में हालत यह हो गई है कि कुछ नेता तो महापौर कहकर बुलाने में ही जवाब दे रहे हैं, मानो उन्ही को आवाज लगाई जा रही है, तो कुछ इस कम्प्यूज में रह जा रहे हैं कि जवाब देने पर उनका मजाक तो नहीं बनेगा।

टिकट पाने की होड़ और शक्ति प्रदर्शन का चल रहा खेल

विजिलिटिटी का खेल
पाटिया जब टिकट के लिए आंतरिक सर्वे कराती हैं, तो यह देखा जाता है कि किस नेता की पूर-परख जनता और मीडिया में ज्यादा है। इसको लेकर बड़े नेताओं में सबसे ज्यादा चर्चा और दिखाई देने की होड़ मची है।
शक्ति प्रदर्शन
बड़े कार्यक्रमों में मंच साझा कर दावेदार अपने पाटिया जब टिकट के लिए आंतरिक सर्वे कराती हैं, तो यह देखा जाता है कि किस नेता की पूर-परख जनता और मीडिया में ज्यादा है। इसको लेकर बड़े नेताओं में सबसे ज्यादा चर्चा और दिखाई देने की होड़ मची है।

निष्ठावान कार्यकर्ताओं में बढ़ रहा है असंतोष

अचानक दलवीर बने इन बप-नवले दावेदारों की वजह से सालों से पाटी और संगठन का काम कर रहे निष्ठावान कार्यकर्ताओं में भारी असंतोष है। एक वरिष्ठ पार्टी कार्यकर्ता ने निराशा जाहिर करते हुए कहा, हम साल के बारह महीने जनता के मुद्दों पर संघर्ष करते हैं, लाठियां समर्थकों की भीड़ जुटाते हैं और हाईकमान को यह संदेश देने की कोशिश करते हैं कि उनके पास मजबूत जनसमर्थन है। सोशल मीडिया में भी पोस्ट वार काफी तेजी बढ़ा है।

स्पाॅन्सरशिप के भरोसे राजनीति

धार्मिक आयोजन जैसे गणेशोत्सव से लेकर स्थानीय खेल प्रतियोगिताओं और अन्य आयोजक इन दिनों प्रत्याशियों की इस होड़ का भरपूर फायदा उठा रहे हैं। कई अटे-बड़े आयोजकों का बजट अब टिकटवर्षी ही उठा रहे हैं। आयोजक समितियों के एक सदस्य ने नाम न छापते हुए बताया कि पहले कार्यक्रमों के लिए आर्थिक मदद जुटाने में काफी मशक्कत करनी पड़ती थी, लेकिन चुनाव नजदीक आते ही नेता खुद फोन करके पूछते हैं कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बनने का क्या योगदान रहेगा। मेयर पद के दावेदार लाखों रुपये का चंदा देकर मंच पर अपनी सीट पक्की कर रहे हैं, ताकि बैलर-पोस्टर पर उनकी बड़ी-बड़ी तस्वीरें चमक सकें और जनता के बीच उनकी सीधी पट बन सकें।

मतदाता भी समझ रहे हैं बड़े नेताओं की गणित

स्थानीय मतदाताओं की नजर भी नेताओं के इस अचानक जागे समाजसेवा के भाव पर है। शहर के प्रखंड नागरिकों का कहना है कि चुनाव आते ही नेताओं का यह दान-धर्म कोई नई बात नहीं है। जनता अब समझदार हो चुकी है और वह केवल चंदे या विज्ञापनों के आधार पर नहीं, बल्कि नेता के पुराने ट्रैक रिकॉर्ड और काम को देखकर ही अपने वोट का इस्तेमाल करेगी। लोगों का कहना है हर चुनाव में यह स्थिति देखने को मिलती है, लेकिन वे अपने विवेकाधिकार के साथ मत का प्रयोग करेंगे।

प्रेम प्रकाश पांडे की पहल से गणेश-दुर्गा उत्सव समितियों को बड़ी राहत

हरिभूमि न्यूज ►►भिलाई

सार्वजनिक गणेश एवं दुर्गा उत्सव समितियों को बड़ी आर्थिक राहत मिली है। राज्य शासन द्वारा इसी वर्ष सार्वजनिक पंडालों के लिए 3.50 प्रति वर्गफीट की दर से निर्धारित किया गया शासन के इस निर्णय से प्रदेशभर की उत्सव समितियों को सीधे आर्थिक राहत मिली है। पंडालों पर शासन के इस निर्णय से प्रदर्शभर की उत्सव समितियों को सीधे आर्थिक राहत मिली है। पंडालों पर शासन के इस निर्णय से प्रदर्शभर की उत्सव समितियों को सीधे आर्थिक राहत मिली है। पंडालों पर शासन के इस निर्णय से प्रदर्शभर की उत्सव समितियों को सीधे आर्थिक राहत मिली है।

पंडालों पर कोई कर नहीं लगाया जाना चाहिए। उनकी पहल पर शासन ने निर्णय लेते हुए सार्वजनिक गणेश एवं दुर्गा उत्सव पंडालों से 3.50 प्रति वर्गफीट कर हटाने की राहत प्रदान की है। इस निर्णय से अब समितियों को पंडाल के लिए नगर निगम, नगर पालिका एवं नगर पंचायत में कर जमा करने का अतिरिक्त आर्थिक बोझ नहीं उठाना पड़ेगा। बची हुई राशि का उपयोग समितियां धार्मिक आयोजन, साज-सज्जा, सांस्कृतिक कार्यक्रम और पड़ रहा था और इसको लेकर प्रदेश के विभिन्न जिलों में विरोध भी शुरू हो गया था। ऐसे समय में छत्तीसगढ़ विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पांडे ने समितियों की परेशानी को गंभीरता से संज्ञान में लिया और शासन के समक्ष प्रभावी ढंग से इस मुद्दे को उठाया। प्रेम प्रकाश पांडे ने शासन से आग्रह किया कि गणेश एवं दुर्गा उत्सव जैसे धार्मिक और सामाजिक आयोजनों के लिए सार्वजनिक स्थलों पर लगाए जाने वाले

पता पूछने के बहाने राहगीर को धमकाकर मोबाइल व पर्स लूटा, नाबालिग सहित तीन पुलिस गिरफ्त में

हरिभूमि न्यूज ►►भिलाई

पुरानी भिलाई थाना क्षेत्र में राहगीर को पता पूछने के बहाने रोककर डरा-धमकाकर मोबाइल और पर्स लूटने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वहीं एक विधि से संघर्षरत बालक को भी अभिरक्षा में लिया गया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटे गए तीन मोबाइल फोन और वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद कर जब्त की है। पुलिस के अनुसार घटना 13 सितंबर की रात करीब 8.45 बजे नेशनल हाईवे की सर्विस रोड पर बिजली ऑफिस के पास हुई। सुभाष चौक, शीलाला पारा भिलाई-3 निवासी सुरेंद्र कुमार बघेल रात में घर से टहलने निकले थे। वे सर्विस रोड से होते हुए बिजली ऑफिस के पास पहुंचे, तभी मोटरसाइकिल सवार तीन युवक उनके पास आए और पता पूछने के बहाने बातचीत शुरू की। बातचीत के दौरान तीनों युवकों ने उन्हें घेर लिया और मोबाइल फोन देने की मांग की। प्रार्थी ने मोबाइल देने से इनकार किया तो आरोपियों ने जान से मारने की धमकी दी और जबरदस्ती मोबाइल व पर्स छीनकर

पुरानी भिलाई पुलिस की कार्रवाई, तीन मोबाइल व वारदात में प्रयुक्त बाइक बरामद

मोटरसाइकिल से फरार हो गए। घटना की शिकायत पर थाना पुरानी भिलाई में धारा 309(4) बीएनएस में मामला दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की।

छावनी क्षेत्र में घेराबंदी कर पकड़े गए आरोपी
घटना के बाद पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू की। थाना पुरानी भिलाई और थाना छावनी पुलिस की संयुक्त टीम ने लगातार पतासाजी करते हुए संदिग्धों की जानकारी जुटाई। इसके बाद थाना छावनी क्षेत्र में घेराबंदी कर संजय देवांगन, साहिल चेलक और एक विधि से संघर्षरत बालक को पकड़ गया। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने घटना में भाग लिया और साहिल चेलक उम्र 19 वर्ष निवासी कछुगा अपरपताल दीपक बक्श के पास छावनी की गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से दोनों को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। विधि से संघर्षरत बालक के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की गई।

अवैध गतिविधियों की शिकायत पर पहुंची थी पुलिस सूर्या मॉल के स्या सेंटर में रेड, 7 पर कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ►►भिलाई

जुनवानी स्थित सूर्या टीआई मॉल के सेंकंड फ्लोर पर स्थित एक स्या सेंटर में अवैध गतिविधियों की शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने औचक जांच और रेड कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान स्या सेंटर के अंदर युवतियां और अन्य लोग मौजूद मिले। पुलिस ने सभी को बाहर निकालकर मामले की जांच की। हालांकि, फिलहाल जांच के दौरान किसी भी प्रकार के अनैतिक कार्य की पुष्टि नहीं हुई है। सभी पर बाइंड ओवर की कार्रवाई की गई। पुलिस की यह कार्रवाई एएसपी सिटी शोभराज अग्रवाल के निर्देश पर की गई। टीम में भिलाई नगर सीएसपी निशांत पाठक, डीएसपी

आईयूसीएडब्ल्यू भारती मरकाम, सुपेला थाना प्रभारी एसएम सिंह और स्मृति नगर चौकी प्रभारी अमित अंडानी सहित पुलिस बल मौजूद रहा। पुलिस को स्या सेंटर में अवैध गतिविधियां संचालित होने की शिकायत मिली थी। शिकायत की गंभीरता को देखते हुए अंदर लोगों की मौजूदगी मिलने पर

पहुंचकर जांच की। कार्रवाई के दौरान सेंटर के अंदर कई युवतियां और अन्य लोग मौजूद मिले। मॉल प्रबंधन के अनुसार, जिस स्थान पर यह स्या सेंटर संचालित था, वह सोल्ड प्रॉपर्टी है और वहां की बिजली तथा पानी की सप्लाई भी बंद कर दी गई है। इसके बावजूद अंदर लोगों की मौजूदगी मिलने पर

आरोपी फोन कर खुद को पुलिस, सीबीआई, ईडी, बैंक का अधिकारी बताकर कर रहे ठगी

हरिभूमि न्यूज ►►मिलाई

नीट सम्मान समारोह में सफल विद्यार्थियों की उपलब्धियों का जश्न मनाने के साथ ही दुर्ग पुलिस ने विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को साइबर अपराधों से बचने का जरूरी पाठ भी पढ़ाया। हिंदू मिलन मंदिर भिलाई में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों ने डिजिटल अरेस्ट, फिशिंग, हैकिंग, फर्जी पुलिस एवं बैंक अधिकारी बनकर ठगी और ऑनलाइन निवेश के नाम पर होने वाली धोखाधड़ी के तरीकों की जानकारी दी।

छत्तीसगढ़ पुलिस की ओर से 15 अगस्त से 2 अक्टूबर तक चलाए जा रहे साइबर

खबर संक्षेप

बिजली सप्लाई के निजीकरण का कांग्रेस करेगी पुरजोर विरोध

दुर्ग। छत्तीसगढ़ में बिजली आपूर्ति में निजी क्षेत्र की एंट्री और टाटा पावर द्वारा रायपुर, धरसीवा, मंदिर हसींद और अभनपुर तहसीलों में वितरण लाइसेंस मांगने के मामले पर कांग्रेस कमेटी ने राज्य सरकार और केंद्र सरकार पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। जिला कांग्रेस कमेटी भिलाई के प्रवक्ता जावेद खान ने कहा कि छत्तीसगढ़ में कोयला प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है। इसी कारण छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के बाद से अब तक प्रदेश में 40 से अधिक निजी पावर प्लांट स्थापित किए गए हैं। इन पावर प्लांटों की स्थापना से उनके आसपास कई-कई किलोमीटर के दायरे में जमीन की उर्वरता पूरी तरह नष्ट हो चुकी है। जमीन अब फसल देने के काबिल नहीं रही है। किसान बर्बाद हो रहा है और प्रदूषण की मार छत्तीसगढ़ की जनता झेल रही है, उन्होंने कहा कि अगर छत्तीसगढ़ अपनी जमीन, अपना पानी, अपना कोयला और अपना पर्यावरण दान पर लगा रहा है तो इसके बदले में प्रदेश की जनता को कम दर पर बिजली मिलती थी ये कांग्रेस की सरकार की सोच हुआ करती थी इसमें क्या हर्ज है? यह छत्तीसगढ़ का हक है लेकिन भाजपा सरकार ने सभी छूट समाप्त करते हुए बिजली की दरें बढ़ा दी है और अब सप्लाई की भी निजीकरण करने जा रही है। टाटा पावर द्वारा केवल डिस्ट्रीब्यूशन यानी वितरण का लाइसेंस मांगा जाना उसकी मंशा पर सवाल खड़ा करता है। कांग्रेस इसका पुरजोर विरोध करेगी।

बीएसपी में राजभाषा पखवाड़ा 18 सितंबर से भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र, राजभाषा विभाग द्वारा 18 सितंबर से राजभाषा पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। 18 सितंबर को राजभाषा पखवाड़ा का शुभारंभ किया जाएगा और 4 अक्टूबर तक विभिन्न आयोजन किए जाएंगे, उसके पश्चात पखवाड़े के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं तथा संयंत्र स्तरीय वार्षिक हिंदी पुरस्कारों का वितरण किया जाएगा। भिलाई इस्पात संयंत्र, राजभाषा विभाग द्वारा पखवाड़े के दौरान आयोजित होने वाली विभिन्न प्रतियोगिताओं में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की कार्मिकों से अपील की गई है।

■ 17 सितंबर को जलेगा आशीर्वाद का दीया

प्रतीक हैं। उन्होंने रविवार को दुर्ग जिला भाजपा कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक चलने वाले सेवा संकल्प अभियान की रूपरेखा प्रस्तुत की।

सांसद बघेल ने कहा कि यह अभियान उन करोड़ों परिवारों के प्रति धन्यवाद और जनभागीदारी का माध्यम बनेगा, जिनके जीवन में केंद्र सरकार की योजनाओं से सकारात्मक बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का अनुशासन, समर्पण और सेवा भाव समाज व राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरणा देता है।

प्रतीक हैं। उन्होंने रविवार को दुर्ग जिला भाजपा कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक चलने वाले सेवा संकल्प अभियान की रूपरेखा प्रस्तुत की।

सांसद बघेल ने कहा कि यह अभियान उन करोड़ों परिवारों के प्रति धन्यवाद और जनभागीदारी का माध्यम बनेगा, जिनके जीवन में केंद्र सरकार की योजनाओं से सकारात्मक बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का अनुशासन, समर्पण और सेवा भाव समाज व राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरणा देता है।

जागृति अभियान के तहत यह जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। द फ्लेश एकेडमी द्वारा आयोजित नीट सम्मान समारोह में बड़ी संख्या में विद्यार्थी और अभिभावक मौजूद थे। कार्यक्रम में अनुविभागीय अधिकारी पुलिस पाटन प्रांशु तिवारी और पीएसआई हसनेन रजा ने बताया कि साइबर अपराधी अब ठगी के लिए नए-नए तरीके अपना रहे हैं। कई मामलों में आरोपी फोन कर खुद को पुलिस, सीबीआई, ईडी, बैंक या किसी अन्य प्रतिष्ठित संस्था का अधिकारी बताते हैं। इसके बाद व्यक्ति को किसी अपराध में फंसेना का डर दिखाकर वीडियो कॉल पर रहने, बैंक खाते की

जानकारी देने या तत्काल पैसे ट्रांसफर करने के लिए दबाव बनाया जाता है। पुलिस ने स्पष्ट किया कि ऐसी स्थिति में घबराने के बजाय संबंधित संस्था से उसके आधिकारिक माध्यम से सत्यापन करना चाहिए। कार्यक्रम में जिला आबकारी अधिकारी अंकुश बनर्जी, सहायक संचालक छत्तीसगढ़ स्टेट ऑडिट चंद्रकांत सोम, एसडीओपी पाटन प्रांशु तिवारी, नगर पुलिस अधीक्षक निशांत पाठक, सुप्रिटेण्ट सेंट्रल जीएसटी आशीष बिस्वास, भिलाई टाइम्स के फाउंडर एवं संपादक यशवंत साहू और हिंदू मिलन सेवा समिति भिलाई के जनरल सेक्रेटरी सुभाष साहा मौजूद थे।

सेफी व सीपीएसई के अध्यक्ष बंछोर ने प्रधानमंत्री को लिखा पत्र

सेल के हजारों अधिकारियों पर भारी पड़ सकती है वेतन संशोधन समिति के गठन में लेटलतीफी

हरिभूमि न्यूज ►►मिलाई

सेल बीएसपी सहित केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के अधिकारियों के वेतन और भत्तों की बढ़ोतरी में लेटलतीफी से नुकसान को देखते हुए इस वर्ग के सबसे बड़े संगठन ने सीधे पीएमओ का दरवाजा खटखटाया गया है। नेशनल कांफिडरेशन आफ आफिसर्स एसोसिएशन ने केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (सीपीएसई) के अधिकारियों के लिए प्रधानमंत्री से चौथा वेतन संशोधन समिति (पीआरसी) के जल्द गठन करने की मांग की है।

उल्लेखनीय है कि स्थापित और प्रगतिशील परंपरा रही है कि केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में बोर्ड स्तर तथा बोर्ड स्तर से नीचे के कार्यपालक अधिकारियों और गैर-यूनियन पर्यवेक्षकों के लिए प्रत्येक दस वर्ष में वेतन संशोधन समितियों का गठन किया जाता है। सेफी चेयरमैन और सीपीएसई के

अध्यक्ष नरेंद्र बंछोर ने पीएम मोदी को लिखे पत्र में पीआरसी के जल्द गठन की मांग कर बताया कि संशोधन केंद्रीय वेतन आयोग की रूपरेखा के अनुरूप होते हैं तथा मुद्रास्फीति, बढ़ती जीवन-यापन लागत, आंतरिक समानता तथा निजी क्षेत्र के वेतन ढांचे के साथ प्रतिस्पर्धात्मकता बनाए रखने जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं को संबोधित करते हैं।

केंद्रीय वेतन आयोग का गठन 25 नवंबर 2025 को किया जा चुका है और इसके द्वारा शीघ्र ही अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत किए जाने की संभावना है। केन्द्रीय सरकारी लोक उद्यमों के लिए चतुर्थ वेतन संशोधन 1 जनवरी .2027 से प्रभावी होना है। अब आवश्यक है कि चौथे वेतन संशोधन समिति के गठन की प्रक्रिया अग्रिम रूप से प्रारंभ की जाए, जिससे विचार-विमर्श, हितधारकों से परामर्श तथा समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए पर्याप्त समय उपलब्ध हो सके।

प्रतिस्पर्धा में सक्षम होने के साथ नहीं होगा वित्तीय नुकसान

राष्ट्रीय लक्ष्य नहीं होगा प्रभावित

सेफी ने पत्र में बताया कि तीसरे वेतन संशोधन समिति का गठन 9 जून 2016 को किया गया था और केंद्र सरकार के अनुमोदन के बाद सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीडी) द्वारा 3 अगस्त 2017 को वेतन संशोधन आदेश जारी किए गए, जो 1 जनवरी 2017 से प्रभावी हुए।वर्तमान में सभी केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम अत्यंत प्रतिस्पर्धी और गतिशील वातावरण में कार्य कर रहे हैं, जहाँ उन्हें घरेलू एवं वैश्विक निजी क्षेत्र की कंपनियों से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है। पीआरसी का गठन इसलिए जरूरी है कि बोर्ड स्तर तथा बोर्ड स्तर से नीचे के स्तर पर उच्च कौशलशुक्त और प्रतिभाशाली पेशेवरों को आकर्षित करना तथा उन्हें बनाए रखना संभव हो सके। निजी क्षेत्र के समकक्ष उद्योगों के साथ प्रतिस्पर्धात्मकता व समानता सुनिश्चित की जा सके। साथ ही लोक उद्यमों की परिचालन दक्षता एवं राष्ट्रीय लक्ष्यों की प्राप्ति को बल मिले और तकनीकी एवं विशिष्ट क्षेत्रों में अनुभवी मानव संसाधन के पलायन को रोक जा सके।

तीसरे पीआरसी में विलंब से एरियर्स का हुआ नुकसान

सेफी चेयरमैन श्री बंछोर ने बताया कि द्वितीय व तृतीय पे-रिविजन में कुछ खामियों के कारण केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के अधिकारियों को जो नुकसान हुआ है, उसे चौथे पे-रिविजन में दूर किया जा सकता है।तीसरे पे-रिविजन में अफोडेबिलिटी क्लज के कारण सेल जैसी महारत्न कंपनी के कार्मिकों को 39 माह के एरियर्स से वंचित होना पड़ा। जबकि 2007 से लेकर 2016 तक सेल का कुल पीबीटी (प्राफिट बिफोर टैक्स) 61500 करोड़ रुपये था व केवल वित्तीय वर्ष 2015-16 में पीबीटी (-)7000 करोड़ रुपये होने के कारण कार्मिकों का पे-रिविजन 1 अप्रैल 2020 से लागू हुआ। हार्डशीप एलाउंस से भी सेल जैसी महारत्न कंपनी के अधिकारियों का वंचित रखा गया।सेफी के मुताबिक पीआरसी के गठन में विलंब से कार्यपालक अधिकारियों में अनिश्चितता उत्पन्न हो सकती है, जिससे प्रतिभा को बनाए रखने तथा संगठनात्मक प्रदर्शन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

सेल रिफैक्टरी यूनियन प्रतिनिधिमंडल ने ईडी के साथ की बैठक

हरिभूमि न्यूज ►►मिलाई

सेल रिफैक्टरी यूनियन ने सेल रिफैक्ट्री के विस्तार का लाभ यहां के नियमित कर्मचारियों और ठेका मजदूरों को दिलाने की मांग की है।

■ एसआरयू के विस्तार का लाभ नियमित कर्मियों व मजदूरों को मिले

साथ ही मजदूरों की छंटनी नहीं करने और सुरक्षा को सर्वोपरि रखे जाने पर जोर दिया है। विस्तार से भिलाई के औद्योगिक विकास को बल मिलेगा।

यूनियन अध्यक्ष उज्जवल दत्ता के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल ने सेल रिफैक्टरी के कार्यपालक निदेशक पीके रथ से भिलाई निवास में मुलाकात कर सेल रिफैक्टरी यूनित (एसआरयू) से जुड़ी मांगों पर चर्चा की। बैठक में यूनियन प्रतिनिधिमंडल को सेल रिफैक्टरी

सुरक्षा को मिले प्राथमिकता

प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि एसआरयू का विस्तार भिलाई के औद्योगिक विकास के साथ यहां कार्यरत नियमित एवं ठेका श्रमिकों के भविष्य के लिए भी महत्वपूर्ण है। यूनियन ने प्रबंधन से मांग की कि विकास और विस्तार की प्रक्रिया में कर्मियों के हितों और रोजगार की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। बैठक में यूनियन के सेल रिफैक्टरी वर्कर्स यूनियन के महासचिव युवराज डहरीया, यूनियन उपाध्यक्ष धनंजय गिरि, अमित बर्मन, राकेश सोनी एवं समजसेवी सुधीर बंसल प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

नियमित कर्मचारी के कार्य अथवा स्थान में परिवर्तन नहीं किया जाना चाहिए। भविष्य में ज्वाइंट वेंचर अथवा यूनित से संबंधित किसी भी महत्वपूर्ण निर्णय से पूर्व यूनियन को विश्वास में लेकर आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई जानी चाहिए, ताकि कर्मियों के हित सुरक्षित रहें।

अहाता में प्रतिबंधित पानी पाउच और डिस्पोजल की बिक्री पर रोक की मांग

हरिभूमि न्यूज ►►दुर्ग

जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) ने दुर्ग जिला सहायक आयुक्त आबकारी क्रिस्टीफर खलक्रो को ज्ञापन सौंपकर देशी और विदेशी शराब दुकानों में संचालित लाइसेंसी अहाता में प्रतिबंधित पानी पाउच व डिस्पोजल

■ जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) ने आबकारी आयुक्त को सौंपा ज्ञापन

की खुलेआम बिक्री पर कार्रवाई करने की मांग की गई।

जनता युवा कांग्रेस (जे) के दुर्ग संभाग अध्यक्ष अनुरुध वर्मा अनिरुध के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया कि दुर्ग जिले में कई शराब दुकानों से संचालित अहाता में प्रतिबंधित पानी पाउच और डिस्पोजल की खुलेआम बिक्री की जा रही है। ज्ञापन में बताया गया कि राज्य शहरी विकास अभिकरण, छत्तीसगढ़ द्वारा प्रतिबंधित प्लास्टिक सामग्री की बिक्री पर रोक लगाई गई है, जिसमें पानी पाउच एवं डिस्पोजल भी शामिल हैं। इसके अलावा, छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम एवं

सेवा, सुशासन और राष्ट्र निर्माण की प्रेरणादायी यात्रा है प्रधानमंत्री का जीवन : बघेल

मोदी के 25 वर्ष के सार्वजनिक जीवन पर सेवा संकल्प अभियान

हरिभूमि न्यूज ►►दुर्ग

सांसद विजय बघेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष सेवा, सुशासन, संकल्प और जनकल्याण की यात्रा के

■ 17 सितंबर को जलेगा आशीर्वाद का दीया

प्रतीक हैं। उन्होंने रविवार को दुर्ग जिला भाजपा कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक चलने वाले सेवा संकल्प अभियान की रूपरेखा प्रस्तुत की।

सांसद बघेल ने कहा कि यह अभियान उन करोड़ों परिवारों के प्रति धन्यवाद और जनभागीदारी का माध्यम बनेगा, जिनके जीवन में केंद्र सरकार की योजनाओं से सकारात्मक बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का अनुशासन, समर्पण और सेवा भाव समाज व राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरणा देता है।

शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने किया कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण

दुर्ग। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन एवं राजनीतिक सेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक देशभर में विभिन्न सेवा एवं जनकल्याणकारी गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इसी कड़ी में जिला प्रशासन द्वारा संभाग स्तरीय सेवा संकल्प अभियान की तैयारियां की जा रही हैं। 17 सितंबर को शाम सवा लाख दीए जलाये जायेंगे, जिसके तैयारी को लेकर जिलाध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक, कलेक्टर, एसपी सहित जिला प्रशासन के साथ आयोजित किए जाएंगे। समापन 17 अक्टूबर को सुशासन सेवा संवाद के साथ होगा। पत्रकार वार्ता में जिला भाजपा अध्यक्ष ललित कौशिक, ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, जिला महामंत्री दिलीप साहू, विनोद अरोरा तथा मीडिया प्रभारी राजा महोबिया उपस्थित थे।

दुर्ग। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन एवं राजनीतिक सेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक देशभर में विभिन्न सेवा एवं जनकल्याणकारी गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इसी कड़ी में जिला प्रशासन द्वारा संभाग स्तरीय सेवा संकल्प अभियान की तैयारियां की जा रही हैं। 17 सितंबर को शाम सवा लाख दीए जलाये जायेंगे, जिसके तैयारी को लेकर जिलाध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक, कलेक्टर, एसपी सहित जिला प्रशासन के साथ आयोजित किए जाएंगे। समापन 17 अक्टूबर को सुशासन सेवा संवाद के साथ होगा। पत्रकार वार्ता में जिला भाजपा अध्यक्ष ललित कौशिक, ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, जिला महामंत्री दिलीप साहू, विनोद अरोरा तथा मीडिया प्रभारी राजा महोबिया उपस्थित थे।

सेवा का सफर संकल्प की नई उड़ान

गजेंद्र यादव ने कहा कि सेवा का सफर संकल्प की नई उड़ान के भाव के साथ 17 सितंबर से प्रारंभ होने वाला यह अभियान प्रधानमंत्री की सेवा भावना की जन-जन तक पहुंचाने और समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा एवं जनकल्याण की भावना को मजबूत करने का माध्यम बनेगा। जिला प्रशासन एवं भाजपा संगठन के सक्रियता से संगठन स्तरीय विभिन्न सेवा गतिविधियां, जनकल्याणकारी कार्यक्रम एवं सामाजिक सरोकार से जुड़े आयोजन किए जाएंगे। कार्यक्रमों के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए सेवा और समर्पण की भावना को आगे बढ़ाया जाएगा। 25 वर्षों की सेवा यात्रा हम आने वाले वर्षों में और अधिक समर्पण के साथ राष्ट्र निर्माण के लिए कार्य करने की प्रेरणा देती है।

राष्ट्रसेवा तक विकास से विरासत तक प्रधानमंत्री ने हर कदम देशवासियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ाया है। केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि सेवा यात्रा केवल

25 वर्षों का पड़ाव नहीं, बल्कि देशवासियों के विश्वास, परिश्रम और आकांक्षाओं को नई दिशा देने वाली यात्रा है। हर योजना, हर प्रयास और हर कदम देशहित एवं जनकल्याण के लिए समर्पित रहा है।



इन तरीकों से होती है साइबर ठगी

साइबर अपराधी फोन कॉल, एसएमएस, सोशल मीडिया या अन्य ऑनलाइन माध्यमों से लोगों से संपर्क करते हैं। कभी अधिकारी बनकर डरते हैं तो कभी नौकरी, लॉटरी, इनाम, निवेश या कम समय में ज्यादा मुनाफे का लालच देते हैं। ठगी के दौरान ओटीपी और बैंकिंग जानकारी हासिल करने, संदिग्ध लिंक खुलवाने, एपीके इंस्टॉल करने या सीधे बैंक खाते में रकम ट्रांसफर करवाने की कोशिश की जाती है। पुलिस ने लोगों से मोबाइल में कॉल फॉरवर्डिंग और मैसेज फॉरवर्डिंग जैसी सुविधाओं की समय-समय पर जांच करने की अपील की। किसी संदिग्ध गतिविधि का पता चलने पर तत्काल पुलिस को सूचना देने की सलाह दी गई।

चंडी मंदिर से उरला सड़क का होगा चौड़ीकरण



हरिभूमि न्यूज ►►दुर्ग

आग्रह पर मंत्री श्री यादव ने वार्ड की भीतरी गलियों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने उन स्थानों का जायजा लिया जहां बिजली की सुविधा के लिए अतिरिक्त पोल की आवश्यकता है। संबंधित अधिकारियों को आवश्यकतानुसार बिजली पोल का विस्तार करने के निर्देश दिए, ताकि भीतरी क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों को बेहतर विद्युत सुविधा मिल सके। चंडी चौक से उरला तक सड़क मजबूतीकरण कार्य की जानकारी लेते हुए अधिकारियों से चर्चा की। उन्होंने बताया कि उक्त सड़क के मजबूतीकरण कार्य की स्वीकृति हो चुकी है। बारिश के कारण सड़क के खराब होने से वाहन चालकों एवं क्षेत्रवासियों को आवागमन में परेशानी हो रही है। उन्होंने अधिकारियों को स्वीकृत सड़क मजबूतीकरण कार्य को शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर पारंपर्य सप्त निर्मलकर, गुलाब वर्मा, रेशमा सोनकर, कमलेश फेकर आदि उपस्थित रहे।

उद्योगों की सहभागिता और मिलाई में खेल सुविधाओं के विस्तार पर सांसद ने दिया जोर

हरिभूमि न्यूज़

►► मिलाई

सिविल लाइन स्थित न्यू सर्किट हाउस में छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ की वार्षिक बैठक की गई। इसमें मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री और छत्तीसगढ़ ओलम्पिक संघ अध्यक्ष विष्णु देव साय, अध्यक्षता केबिनेट मंत्री और छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ उपाध्यक्ष केदार कश्यप, विशिष्ट अतिथि लोकसभा सांसद व छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष विजय बघेल, छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ महासचिव विक्रम सिंह सिसोदिया, कोषाध्यक्ष संजय मिश्रा, वेटलिफ्टिंग एसोसिएशन प्रदेश अध्यक्ष अरविंदर सिंह खुराना सहित खेल संघ के पदाधिकारी उपस्थित थे।

सांसद विजय बघेल ने कहा कि जब से देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की बागडोर संभाली है, तब से

खबर संक्षेप

तीजा मनाने मायके गया परिवार, घर में हुए चोरी

भिलाई। नेवई भाठा ब्रम्हपुरी क्षेत्र के जलाराम चौक में एक परिवार तीजा पर्व मनाने के लिए मायके गया था। इसी दौरान अज्ञात चोरों ने सूने मकान को निशाना बनाते हुए मेन गेट का ताला तोड़कर घर के अंदर प्रवेश किया और सोने-चांदी के जेवरत, नकदी तथा दो भरे गैस सिलेंडर समेत करीब 95 हजार रुपये का सामान चोरी कर लिया। शिकायत पर नेवई पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार प्राथी लिक्ेश्वर साहू ने बताया कि घर के बाहर मेन गेट का ताला टूटा मिला। सामान बिखरा पड़ा था। सामान की जांच करने पर आलमारी में रखे सोने का एक नेकलेस, एक मंगलसूत्र, सोने के कान की एक जोड़ी, सोने का एक डोलना, लॉकेट, चांदी की दो करधन, चांदी की एक जोड़ी लेडीज पायल, बच्ची की एक जोड़ी पायल, चांदी की एक चैन तथा करीब 10 हजार रुपए नकद गायब मिले। इसके अलावा घर में रखे दो भरे गैस सिलेंडर भी चोर अपने साथ ले गए। घटना के बाद पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ ही संदिग्धों की तलाश में जुटी है।

निधन

एम देवकी

भिलाई। खुर्सीपर उठकल नगर

जोन-3 निवासी एम देवकी का निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार रामनगर मुक्तिधाम में किया गया। वे नगर निगम के सुरवाइजर शेषगिरी की मां थी।

न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)

फर्द प्रकाशन

रा.प्र.क्र.। 202604103000012/अ-27/ वर्ष 2025-26

रघुवं द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्न न्यायालय के रा.प्र. क्रमांक- 202604103000012/अ-27 वर्ष 2025-26 आवधिक सरोज चन्द्राकर पति रत्न, बुधाराम राम चन्द्राकर निवासी म.नं. 378, सुभाष नगर काकरीडीह दुर्ग विन्धन बुरगाम सिंह चन्द्राकर पिता रत्न, बुधाराम राम चन्द्राकर नौजा घुसरीडीह, प.ह.नं.- 58 स्थित भूमि खसरा नंबर 249/1, 255/1 रकबा क्रमांश - 0.06, 0.30 है, आवधिक सरोज चन्द्राकर पति बुधाराम राम चन्द्राकर व अन्य के सामिल। नाम पर वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज है। उक्त वर्णित भूमि का आवधिक एवं अन्य सहखलेजारी के मध्य समान रूप से खाला विभाजन किये जाने हेतु प्रकरण न्यायालय में विचारधीन है।

ग्राम घुसरीडीह स्थित खसरा नंबर 249/1, 255/1 रकबा क्रमांश- 0.06, 0.30 है, भूमि में आवेदक/अर्णवेदक के मध्य अंश के आधार पर सरदार- बरार भगो ने खाला विभाजन करते हुए फर्द प्रकृत्य रसीन ग्राहक सहित प्रविष्टन बनाते हेतु हल्का पटवारी को ज्ञान प्रेषित किया गया। हल्का पटवारी अपने प्रविष्टन व अन्य के ज्ञान के आधार पर प्रविष्टित किया है कि अनारदक को पुनः मोबाइल फोन के माध्यम से सूचना दिया गया जिसके उपरान्त भी वे उपस्थित नहीं रहे। न्यायालय के, आदेशानुसार उक्त आवेदित भूमि को अंश के आधार पर बराबर- बराबर भगो ने बांटकर फर्द प्रकृत्य एवं रसीन नक्शा तैयार किया गया। रसीन नक्शा तैयार करते समय आवेदिका उपस्थित रही है। उक्त भूमि खसरा नंबर 249/1, 255/1 खसरीया नम्ब रायपुर-। परचालकसा परिगणना अवर्तन गई रेल्वे लाइन में प्रभावित नहीं है।

हल्का पटवारी नौजा घुसरीडीह प.ह.नं. 58 द्वारा प्रस्तुत फर्द बंटवारा निमानुसार है- शांमिलवती नाम से पुत्र भूमिवाली का नाम पिता/पति का नाम- बुरगाम सिंह पिता बुधाराम राम, सरोज चन्द्राकर पति बुधाराम राम, जाति कुर्मी, सांक्रिन घुसरीडीह का खसरा नं. 249/1, रकबा 0.060 लगान 0.87 तथा खसरा नं. 255/1, रकबा 0.300 लगान 0.87 इस प्रकार कुल खसरा नं. 02 रकबा 0.360 लगान 0.87 है। पदांशकर क्रमांक 01- बुरगाम सिंह पिता बुधाराम राम का हिस्सा खसरा नं. 249/1 का टुकड़ा रकबा 0.030, लगान 0.44 तथा खसरा नं. 255/1 का टुकड़ा रकबा 0.150। इस प्रकार कुल खसरा नं. 02 रकबा 0.180 लगान 0.4 है। एतु पक्षकार क्रमांक 02- सरोज चन्द्राकर पति बुधाराम राम का हिस्सा खसरा नं. 249/1 का टुकड़ा रकबा 0.030 लगान 0.43 तथा खसरा नं. 255/1 का टुकड़ा रकबा 0.150। इस प्रकार कुल खसरा नं. 02 रकबा 0.180 लगान 0.43 है।

अपवाद इस संबंध में जित किसी व्यक्ति अथवा व्यक्ति, को किसी प्रकार का उत्तर या दावा हो जो यह नियत फीटिंग 17/9/26 तक अथवा अपने विधिगण्य अधिकारों के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपति आवेदन पेश कर सकते हैं। समझवधि परचाला आपति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

आज दिनांक 31/8/26 को यह फर्द बंटवारा प्रकाशन मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

नायब तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ की वार्षिक बैठक, खेलों को बढ़ावा देने में केंद्र एवं छत्तीसगढ़ सरकार प्रतिबद्ध : विजय



खेल गतिविधियों को नई गति मिली है। प्रधानमंत्री खिलाड़ियों के प्रति अत्यंत संवेदनशील हैं। वे विदेशों में खेलने वाले भारतीय खिलाड़ियों से भी फोन पर चर्चा कर उनका उत्साहवर्धन करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के हर वर्ग के खिलाड़ी विदेशों में जाकर भारत का नाम रोशन कर रहे हैं। इसी तर्ज में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय भी खिलाड़ियों के प्रति संवेदनशील हैं। वे खेल संघों एवं खिलाड़ियों से आत्मीयता से मिलते हैं और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। सांसद विजय बघेल ने कहा कि पिछली सरकार के पांच वर्ष के कार्यकाल में प्रदेश में खेल

गतिविधियां लगभग ठप हो गई थीं और खिलाड़ियों में निराशा थी। भाजपा की सरकार बनने के बाद मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 156 खिलाड़ियों को एक साथ बुलाकर उन्हें खेल अनुदान प्रदान किया। पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह जी के कार्यकाल में भी खिलाड़ियों को रोजगार एवं प्रोत्साहन देने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य हुए हैं। सांसद विजय बघेल ने अपने लोकसभा के भिलाई इस्पात संयंत्र क्षेत्र में खाली भूमि का जिन्न करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से निवेदन करते हुए इसी मंच से घोषणा करने का निवेदन किया कि भिलाई में ऑडिटोरियम के लिए और भिलाई इंडोर स्टेडियम बने।

समाज में एकता, आस्था व संस्कृति को मजबूत करता है तीज त्योहार

हरितालिका तीज पर्व पर महिलाओं ने रखा निर्जला व्रत, की शिव-पार्वती की आराधना

हरिभूमि न्यूज़

►►कुम्हारी

हरितालिका तीज के अवसर पर महिलाओं ने अपने पति की दीर्घायु, परिवार की सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना को लेकर निर्जला व्रत रखा। महिलाओं ने शिव मंदिर में भगवान सदाशिव महादेव, माता पार्वती, भगवान शालिग्राम एवं लड्डू गोपाल की विधिवत पूजा-अर्चना की। इस दौरान पंडित श्रवण तिवारी शास्त्री ने मंत्रोच्चार के साथ विधिवत पूजन कराया तथा आरती से पूर्व श्रद्धालु महिलाओं को हरितालिका व्रत की कथा सुनाई। महिलाओं ने दिनभर व्रत रखने के साथ रात्रि जागरण कर भगवान शिव एवं माता पार्वती की आराधना की। महिलाओं ने प्रार्थना किया कि भगवान शिव-पार्वती एवं श्रीहरि विष्णु सहित सभी देवी-देवताओं का आशीर्वाद उनके परिवार पर बना रहे और उन्हें अखंड सौभाग्य, सुख-समृद्धि एवं शांति प्राप्त हो। हरितालिका तीज का व्रत महिलाएं भाद्रपद मास में वर्ष में एक बार पूरी श्रद्धा और साधना के साथ रखती हैं।

तीज मिलन समारोह व करु मात का आयोजन

जामगांव आर। तीज मिलन समारोह और करु मात का कार्यक्रम मौं कर्मा मंदिर प्रांगण मे किया किया गया। औरी में तीज पर्व पर बड़े ही



किया गया। संतोष शर्मा ने बताया कि करु मात के पहले सभी बहनों की मनोरंजन के लिये कुर्सी दौड़, बाल पकड़ने वाला खेल का आयोजन समस्त गांव वासी औरी को सहयोग से रखा गया। समारोह में मंगवान सिंह चन्द्राकर, दाल सिंह साहू, प्रकाश चंद्राकर, लक्ष्मण चंद्राकर, रवि साहू, मनीष साहू, नीलकंठ साहू, राजेंद्र साहू, समीर निर्मलकर, संजु साहू, रेखु साहू, दयालु साहू, रोशन साहू एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित थे।

अखंड सौभाग्य, सुख-समृद्धि और शांति की कामना की



तिरगा में तीज पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया

अंडा। ग्राम पंचायत तिरगा में तीज पर्व के अवसर पर सरपंच घसिया राम देशमुख के



देशमुख, रूखमन देशमुख, ईश्वरी देशमुख, सूरज देशमुख, राकेश बेलचंदन, हेमंत ऋषि, शिव देशमुख, विक्रम निषाद, मेघनाथ देशमुख, दिलीप देशमुख, परसराम देशमुख, श्रवण कुमार, सुरेंद्र, बिसेलाल, मिथलेश, कन्हैया का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। सरपंच ने कहा कि तीज का पर्व भगवान शिव शंकर द्वारा दिया गया आशीर्वाद है, जो माता के अखंड सौभाग्य, भक्ति, समर्पण और प्रेम का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि यह परंपरा वर्षों से चली आ रही है और समाज में एकता, आस्था एवं संस्कृति को मजबूत करती है। ग्रामवासियों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे महिला सशक्तिकरण और सामाजिक समरसता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

खेल से अनुशासन और टीम भावना का होता है विकास

हरिभूमि न्यूज़

►►पाटन

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर ग्राम घोरारी में जय मिनीमाता कबड्डी क्लब एवं ग्रामवासियों के तत्वावधान में कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष अशोक साहू थे, जबकि अध्यक्षता सरपंच निर्मला रेखा साहू ने की। अशोक साहू ने कहा कि खेल से युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना का विकास होता है। उन्होंने गांव में बुनियादी सुविधाओं, शिक्षकों की कमी और सड़कों की स्थिति को लेकर वर्तमान सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए और पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में हुए विकास कार्यों की याद किया। इस अवसर पर गोपाल मार्कंडे, रणजीत मार्कण्डेय, बैजनाथ



साहू, उमाशंकर निर्मल, प्रधानपाठक कमलेश यादव, नरेश नवरंगे, चुम्पन बंजारे सहित बड़ी संख्या में खिलाड़ी एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

बिजनेस साइट

ओम ज्वेलर्स में आकर्षक उपहार एवं डिस्काउंट

दुर्ग। दुर्ग के इंदिरा मार्केट स्थित शॉप नंबर 64 b प्रिया सिंगर सदन के सामने ओम ज्वैलर्स की अनगिनत डिजाइन लोगों को खूब आकर्षित कर रही हैं। संचालक श्री सोनी ने बताया कि उनहोंने अपने यहां मासिक ई योजना चालू की है। इसमें 1000 से लेकर आपके बजट तक हर महीना का किस्त जमा कर सकते हैं। 12 महीने की रेगुलर किस्त जमा होने पर आपको एक महीने की किस्त ज्वेलर्स के द्वारा दी जाती है। सोनी ने बताया कि उनके यहां घर पहुंच सेवा भी उपलब्ध है। ग्राहक अपनी पसंद की डिजाइन को खरीद कर पमेंट घर से भी दे सकते हैं। इसके अलावा टोटल ऑनलाइन, चेक, एटीएम, डेबिट कार्ड एक्सेप्ट किया जाता है। पुराने गहने को बिना वजन घटे नया



बनाने का काम भी ओम ज्वेलर्स करता है। ज्वेलरी रिपेयरिंग की तत्काल सुविधा उपलब्ध है। आगे दिवाली, त्योहार सीजन को देखते हुए नई-नई डिजाइनों की विस्तार रेंज उपलब्ध है। ओम ज्वेलर्स के संचालक ने बताया कि हमारे यहां टोटल 916 (22 कैरेट)833 (20कैरेट)एवं 750(18कैरेट) के हॉलमार्क गहने उपलब्ध हैं। उन्हें यहां पूरे शहर से कम दाम पर ज्वेलरी उपलब्ध है। 0% चांदी की मेंकैंग चार्ज

एवं सोने पर जितना सोना उतना चांदी प्री एवं न्यूनतम मजदूरी दर के साथ ग्राहकों को उपलब्ध है। शादी के गहने की खरीदी पर दुल्हा एवं दुल्हन को स्पेशल टूरिस्ट बैग, इंपॉर्टेंट वॉच, जितना सोना उतनी चांदी प्री दी जाती है।

सिल्क इंडिया को ग्राहकों का मिल रहा अच्छा प्रतिसाद

भिलाई। सिल्क इंडिया की प्रदर्शनी को ग्राहकों का अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। स्टील क्लब सेक्टर 8 भिलाई मे संचालित प्रदर्शनी की संचालिका द्वारा भिलाई-दुर्ग ट्वीनसिटी वासियों के लिए 3 सितंबर से 20 सितंबर तक इस प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। संचालिका तारा ने बताया कि यहां ग्राहकों का बेहतर प्रतिसाद मिल रहा है। इस प्रदर्शनी में भारत के अलग-अलग राज्यों के अथेंटिक व ट्रेडिशनल सिल्क, कौटन हैण्डलूम की विशाल रेंज ग्राहकों के लिए रखी गई है। इसमें कोलकाता की सिल्क साड़ी, राजस्थानी मोजड़ी एवं कुर्ती, सिल्क साड़ी, कर्नाटक की पोचमपल्ली साड़ी, डिजाइनर लेजर जैकेट, उत्तर प्रदेश की लखनवी चिकन व ड्रेस मटेरियल एवं लखनवी साड़ियां, बनारसी सिल्क साड़ी, लोडिस कुर्ती, गुजराती सिल्क साड़ी, मनमोहक मुखावास ,भागलपुर की सिल्क साड़ियां, कलकत्ता के जूट बैग, सामानों की विशाल रेंज उपलब्ध है। सुबह 11 से रात 9 बजे तक इस प्रदर्शनी का लाभ ले सकते हैं। पार्किंग की व्यवस्था के साथ ही प्रवेश फ्री है ।



‘दीक्षांत समारोह’ विद्यार्थियों के लिए गौरवपूर्ण और भावुक करने वाला पल : राज्यपाल

कुम्हारी। आईसीएफआई विश्वविद्यालय रायपुर का तीसरा दीक्षांत समारोह राजधानी रायपुर में आयोजित किया गया। जिसमें राज्यपाल रामेन डेका ने विद्यार्थियों को उपाधियाँ प्रदान की तथा उन्हें नैतिक मूल्यों और राष्ट्र सेवा की शपथ दिलाई। मुख्य अतिथि राज्यपाल रामेन डेका ने इस दौरान कहा कि दीक्षांत समारोह विद्यार्थियों के लिए अत्यंत भावुक और गौरवपूर्ण अवसर है, जहाँ वे अपने अभिभावकों और शिक्षकों के सपनों को साकार करते हैं।

उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने, पर्यावरण संरक्षण पर ध्यान देने, पेशे के प्रति सजग रहने और माता-पिता का सम्मान करने का आह्वान किया। विशेष अतिथि उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मुख्य वक्ता प्रख्यात वैज्ञानिक सदस्य और एनएससीबी डॉ. जी. सतीश रेड्डी ने छात्रों को बधाई



देते हुए वैज्ञानिक सोच, अनुसंधान, नवाचार, प्रौद्योगिकी, आत्मनिर्भरता और राष्ट्र निर्माण पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित किया। कुलपति प्रो. डॉ. शिव दयाल पांडे ने विश्वविद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए कहा कि संस्थान का उद्देश्य केवल डिग्री बांटना नहीं, बल्कि युवाओं को जिम्मेदार, संवेदनशील और राष्ट्र के प्रति समर्पित नवोन्मेषी नागरिक बनाना की। मुख्य वक्ता प्रख्यात वैज्ञानिक सदस्य और एनएससीबी डॉ. जी. सतीश रेड्डी ने छात्रों को बधाई

उन्होंने विश्वविद्यालय के शैक्षणिक दृष्टिकोण पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को अपना आशीर्वाद प्रदान किया। छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय नियामक आयोग के अध्यक्ष प्रो. विजय कुमार गोयल ने उच्च शिक्षा में गुणवत्ता, जवाबदेही, नैतिकता और अकादमिक उत्कृष्टता की आवश्यकता पर जोर दिया। समारोह के अंत में विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. आदित्य खरे ने सभी अतिथियों, शोधार्थियों व संकाय सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।

विद्यार्थियों को मिली विशेष सिक्कों लोककथाओं के संग्रह की प्रेरणा



हरिभूमि न्यूज़

►►अंडा

बच्चों में संग्रह कुशलता और बौद्धिक क्षमता का विकास करने के उद्देश्य से शासकीय एवं माध्यमिक शाला कुथरेल में संग्रह कुशलता बढ़ाने हेतु पहल का कार्यक्रम

सिक्कों का निरंतर संग्रह करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में बताया गया कि सिक्कों पर उकेरी गई विशिष्ट राष्ट्रीय यो ज ना ओं , कार्यक्रमाें, लोक क ल या ण का री नीतियों, महान ं व क्ति त वों ,

आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रधान पाठक विवेकानंद दिल्लीवार एवं राष्ट्रीय जनजाति शोधाार्थी रामकुमार वर्मा ने विद्यार्थियों को भारत में विशेष अवसरों पर जारी किए गए स्मरणীয় वैज्ञानिक खोजों तथा राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय उपलब्धियों की जानकारी से बच्चों की बौद्धिक क्षमता, भाषाई कुशलता, सामान्य ज्ञान और शासकीय योजनाओं की समझ में वृद्धि होती है।

‘सोन के फर’ लोककथा पर परिचर्चा और श्रम का महत्व

इसी कड़ी में कक्षा ८वीं के पाठ्यक्रम में शामिल लोककथा ‘सोन के फर’ पर चर्चा की गई और उसमें विहित ‘श्रम की महता’ पर बच्चों के साथ खुलकर विचार-विमर्श हुआ। इस पाठ के लेखक एवं स्रोत व्यक्ति रामकुमार वर्मा ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए कहा कि बचपन से ही संग्रह करने की अभिरुचि विकसित कर वे अपनी आयु के अनुसार ज्ञान और उपलब्धियों को बढ़ा सकते हैं। उन्होंने बच्चों को सही दिशा प्रदान करते हुए सुझाव दिया कि वे अपनी रुचि के अनुसार चित्रों, डाक टिकटों, माचिस की डिब्बियों के चित्रों, विशेष सिक्कों, लोककथाओं तथा लोकगीतों का संग्रह करें। इससे उनकी शैक्षणिक गतिविधियों में निरंतर सुधार होगा। उन्होंने कहा कि आज हमें जो सुविधाएं मिल रही हैं, वे हमारे पूर्वजों की खोज और संग्रह करने की प्रवृत्ति का ही परिणाम हैं, अतः इसे निरंतर जारी रखना आवश्यक है।

शेधावी छात्र पुरस्कृत, शिक्षक रहे उपस्थित : संवाद के दौरान तर्कसंगत और श्रेष्ठ विचार प्रस्तुत करने वाले बच्चों को प्रधान पाठक की ओर से पुरस्कृत भी किया गया। इस अवसर पर शाला के शिक्षक चंद्रप्रकाश शर्मा, रचना नानोडे एवं राजू गुप्ता विशेष रूप से उपस्थित थे।

HEALTH TOWN

डॉ. सी.पी.सिंह
(एनबीटीएल, एनबी) शिव एवं बाबू रोग विशेषज्ञ

डॉ. नीलिमा सिंह
(एनबीटीएल, पी.जी.ओ.) स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ

9009553889, 9090204620
छात्रा नगर, अमरेश्वर चौक के पास, सुविधाएँ रायपुर
शिव : मातृ स्मृति मंत्रालय, मातृ की महिमा के
साथ, सुविधाएँ, रायपुर

न्यू मातृ स्मृति हॉस्पिटल
मेटर्नटी, सिल्डन्स एवं सर्जिकल हॉस्पिटल

डॉ. अर्बिषेक गवरी
MBBS, MS (Surgery), DNB (Urology)
Consultant Urologist Andrologist & Reconstructive Surgery

आयुष्मान कार्ड की सुविधा उपलब्ध

एडवांस्ड यूरोलॉजी सेवाएं अब गावरी नर्सिंग होम में
फाफाडी, टिन्बर मार्केट रोड, रायपुर
9827144197, 9827144777

राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक चिकित्सा केन्द्र
(25 वर्षों से क्षेत्र में अनुभवी चिकित्सक)
9039050422, 9179455561
समय : सुबह 9.30 से रात 8.00 बजे तक

पाइल्स
क्षार सूत्र विशेषज्ञ, 15000 से ऊपर सफल चिकित्सा, देश-विदेशों में भी प्रचलित।
समय : सुबह 9.30 से रात 8.00 बजे तक

राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक चिकित्सा केन्द्र
(25 वर्षों से क्षेत्र में अनुभवी चिकित्सक)
9039050422, 9179455561
समय : सुबह 9.30 से रात 8.00 बजे तक

एडवांस्ड यूरोलॉजी सेवाएं अब गावरी नर्सिंग होम में
फाफाडी, टिन्बर मार्केट रोड, रायपुर
9827144197, 9827144777

राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक चिकित्सा केन्द्र
(25 वर्षों से क्षेत्र में अनुभवी चिकित्सक)
9039050422, 9179455561
समय : सुबह 9.30 से रात 8.00 बजे तक

एडवांस्ड यूरोलॉजी सेवाएं अब गावरी नर्सिंग होम में
फाफाडी, टिन्बर मार्केट रोड, रायपुर
9827144197, 9827144777

राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक चिकित्सा केन्द्र
(25 वर्षों से क्षेत्र में अनुभवी चिकित्सक)
9039050422, 9179455561
समय : सुबह 9.30 से रात 8.00 बजे तक

एडवांस्ड यूरोलॉजी सेवाएं अब गावरी नर्सिंग होम में
फाफाडी, टिन्बर मार्केट रोड, रायपुर
9827144197, 9827144777

राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक चिकित्सा केन्द्र
(25 वर्षों से क्षेत्र में अनुभवी चिकित्सक)
9039050422, 9179455561
समय : सुबह 9.30 से रात 8.00 बजे तक

एडवांस्ड यूरोलॉजी सेवाएं अब गावरी नर्सिंग होम में
फाफाडी, टिन्बर मार्केट रोड, रायपुर
9827144197, 9827144777

राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक चिकित्सा केन्द्र
(25 वर्षों से क्षेत्र में अनुभवी चिकित्सक)
9039050422, 9179455561
समय : सुबह 9.30 से रात 8.00 बजे तक

एडवांस्ड यूरोलॉजी सेवाएं अब गावरी नर्सिंग होम में
फाफाडी, टिन्बर मार्केट रोड, रायपुर
9827144197, 9827144777

राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक चिकित्सा केन्द्र
(25 वर्षों से क्षेत्र में अनुभवी चिकित्सक)
9039050422, 9179455561
समय : सुबह 9.30 से रात 8.00 बजे तक

एडवांस्ड यूरोलॉजी सेवाएं अब गावरी नर्सिंग होम में
फाफाडी, टिन्बर मार्केट रोड, रायपुर
9827144197, 9827144777

राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक चिकित्सा केन्द्र
(25 वर्षों से क्षेत्र में अनुभवी चिकित्सक)
9039050422, 9179455561
समय : सुबह 9.30 से रात 8.00 बजे तक

एडवांस्ड यूरोलॉजी सेवाएं अब गावरी नर्सिंग होम में
फाफाडी, टिन्बर मार्केट रोड, रायपुर
9827144197, 9827144777

राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक चिकित्सा केन्द्र
(25 वर्षों से क्षेत्र में अनुभवी चिकित्सक)
9039050422, 9179455561
समय : सुबह 9.30 से रात 8.00 बजे तक

एडवांस्ड यूरोलॉजी सेवाएं अब गावरी नर्सिंग होम में
फाफाडी, टिन्बर मार्केट रोड, रायपुर
9827144197, 9827144777

राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक चिकित्सा केन्द्र
(25 वर्षों से क्षेत्र में अनुभवी चिकित्सक)
9039050422, 9179455561
समय : सुबह 9.30 से रात 8.00 बजे तक

एडवांस्ड यूरोलॉजी सेवाएं अब गावरी नर्सिंग होम में
फाफाडी, टिन्बर मार्केट रोड, रायपुर
9827144197, 9827144777

राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक चिकित्सा केन्द्र
(25 वर्षों से क्षेत्र में अनुभवी चिकित्सक)
9039050422, 9179455561
समय : सुबह 9.30 से रात 8.00 बजे तक

एडवांस्ड यूरोलॉजी सेवाएं अब गावरी नर्सिंग होम में
फाफाडी, टिन्बर मार्केट रोड, रायपुर
9827144197, 9827144777

राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक चिकित्सा केन्द्र
(25 वर्षों से क्षेत्र में अनुभवी चिकित्सक)
9039050422, 9179455561
समय : सुबह 9.30 से रात 8.00 बजे तक

एडवांस्ड यूरोलॉजी सेवाएं अब गावरी नर्सिंग होम में
फाफाडी, टिन्बर मार्केट रोड, रायपुर
9827144197, 9827144777

राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक चिकित्सा केन्द्र
(25 वर्षों से क्षेत्र में अनुभवी चिकित्सक)
9039050422, 9179455561
समय : सुबह 9.30 से रात 8.00 बजे तक

एडवांस्ड यूरोलॉजी सेवाएं अब गावरी नर्सिंग होम में
फाफाडी, टिन्बर मार्केट रोड, रायपुर
9827144197, 9827144777

राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक चिकित्सा केन्द्र
(25 वर्षों से क्षेत्र में अनुभवी चिकित्सक)
9039050422, 9179455561
समय : सुबह 9.30 से रात 8.00 बजे तक

एडवांस्ड यूरोलॉजी सेवाएं अब गावरी नर्सिंग होम में
फाफाडी, टिन्बर मार्केट रोड, रायपुर
9827144197, 9827144777

राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक चिकित्सा केन्द्र
(25 वर्षों से क्षेत्र में अनुभवी चिकित्सक)
9039050422, 917945556

वाहन से लोहे का सामान चोरी, नाबालिग पकड़ाया, अन्य आरोपी की तलाश जारी

हरिभूमि न्यूज ►►मिलाई

स्टेशन मरोदा के विजय चौक में कार्यालय के सामने खड़े वाहन से करीब 60 हजार रुपए कीमत के लोहे के सामान चोरी करने के मामले का नेवई पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने मामले में एक अपचारी बालक को अभिरक्षा में लिया है। उसकी निशानदेही पर चोरी किए गए लोहे के सामान को विजय चौक के पास डबरी से बरामद किया गया है। मामले में शामिल

- नेवई पुलिस ने 10 नग लोहे के सामान किए बरामद

रुपए बताई गई शिकायत के आधार पर नेवई थाना पुलिस ने धारा 303(2), 3(5) बीएनएस में मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने प्रार्थी और गवाहों के बयान दर्ज किए तथा घटनास्थल का निरीक्षण कर मौका नक्शा तैयार किया। अज्ञात आरोपी की तलाश के दौरान पुलिस को क्षेत्र में एक अपचारी बालक के संबंध में जानकारी मिली। पुलिस ने उसे पकड़कर पूछताछ की। पूछताछ में अपचारी बालक ने अपने एक अन्य साथी के

साथ मिलकर वाहन में रखे लोहे के सामान चोरी करना स्वीकार किया। उसने बताया कि चोरी के सामान को बिक्री करने के उद्देश्य से विजय चौक स्टेशन मरोदा के पास डबरी में मेमोरेण्डम के आधार पर पुलिस ने उसकी निशानदेही पर डबरी से 6 नग पुराने बोरवेल के लोहे के रॉड, 3 नग लोहे के बोल्ट और 1 नग लोहे का पाना बरामद किया। अपचारी बालक को 13 सितंबर को अभिरक्षा में लेकर किशोर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया। वहीं, चोरी की घटना में शामिल बताए जा रहे दूसरे आरोपी की पतासाजी जारी है।

जेट पर लगाया गलत नीयत का आरोप खनिज विभाग का आरक्षक गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ►►मिलाई



कुम्हारी थाना क्षेत्र में चल रहे पारिवारिक विवाद के बीच एक महिला ने अपने जेट पर गलत नीयत रखने का आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के आधार पर कुम्हारी पुलिस ने आरोपी मनीष सेन (35) के खिलाफ बीएनएस की धारा 74 के तहत अपराध दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जमानत मिल गई। जानकारी के अनुसार आरोपी मनीष सेन दुर्गा खनिज विभाग में आरक्षक के पद पर कार्यरत है। पुलिस के अनुसार महिला की शादी करीब पांच वर्ष पहले हुई थी और उसके दो बच्चे हैं। पिछले कुछ समय से महिला और उसके पति के बीच पारिवारिक विवाद चल रहा था। इसी विवाद के बीच महिला ने करीब दो दिन पहले अपने पति, सास, ससुर और जेट के खिलाफ महिला थाने में दहेज प्रताड़ना की शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने बीएनएस की धारा 498 ए के तहत मामला दर्ज किया था। इसके बाद महिला ने अपने जेट मनीष सेन के खिलाफ गलत नीयत रखने का आरोप लगाते हुए अलग से शिकायत की। पुलिस ने शिकायत की जांच के बाद आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 74 के तहत अपराध दर्ज कर गिरफ्तारी की कार्रवाई की। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया, जहां से उसे जमानत मिल गई।

विद्युत व्यवस्था चरमराई, दी गई आंदोलन की चेतावनी

स्वामी जी - 9340638884

7 ज्योतिर्लिंग यात्रा

भेंट दक्षिण, दारिकाधीश, सोमनाथ, नागेश्वर, ओम कालेश्वर, महाकालेश्वर, भीमाशंकर, धुनेश्वर, ममलेश्वर, त्रयम्बकेश्वर, मोपी तालाब, सिद्धी, ग्रामि हिम्मापुर, नासिक, पंचवटी, हनुमान जन्म स्थान

यात्रा दिनांक
29 सितंबर 2026
18 अक्टूबर 2026
25 अक्टूबर 2026
10 नवंबर 2026
22 नवंबर 2026
11 दिसंबर 2026
6 जनवरी 2027

11 दिन की यात्रा

राशि स्लीपर ₹19,500/- ऑफर ₹17,999/- 3AC ₹39,500/- ऑफर ₹27,999/-

स्वामी तीर्थ यात्रा
संपूर्ण छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र राज्य में सबसे कम दूरी पर तीर्थ यात्रा

911111866, 8275757579

Head Office : ग्राउण्ड फ्लोर सिटी सेंटर मॉल पावर हाउस रोड कोरबा (छ.ग.)

online Booking:-www.tripuryatra.com

स्लीपर मात्र 10,900/-

रायपुर, विलासपुर, धाम्पा, रायगढ़ से होकर

स्पेशल ट्रेन 15 सीट शेप
18 सितम्बर से 25 सितम्बर 2026 (8 दिन)

गंगा सागर यात्रा
गंगा सागर, श्री जगन्नाथ पुरी, माँ कामाख्या देवी, कोलकाता (दक्षिणेश्वर काली मंदिर, कालीघाट काली मंदिर, बेलूर मठ)

ऑफर राशि : स्लीपर 10,900/- | 3 एसी-18,500/- | 2 एसी 23,500/- (+5% GST)

Since-2007

श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा सेवा समिति
** आपकी आस्था, हमारी सेवा **

RAIPUR- D-36 Sector-4 Kamal Vihar , KORBA- Shop No. 301,302,303 S.S. Plaza, Power House Road

संपर्क करें:- 7354-411411

Happy

ENGINEER'S Day

तकनीक और नवाचार से देश के विकास को नई दिशा देते हैं इंजीनियर

हर साल 15 सितंबर को इंजीनियर्स डे मनाया जाता है। यह दिन भारत के महान अभियंता और भारत रत्न डॉ. मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की जयंती के अवसर पर समर्पित है। इंजीनियर केवल इमारतें, सड़कें और मशीनें तैयार नहीं करते, बल्कि अपनी तकनीकी सोच, नवाचार और समस्याओं के समाधान की क्षमता से देश की प्रगति की मजबूत नींव तैयार करते हैं। बदलते दौर में इंजीनियरिंग की भूमिका पारंपरिक निर्माण कार्यों से आगे बढ़कर डिजिटल तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, अंतरिक्ष, ऊर्जा और पर्यावरण संरक्षण तक पहुंच गई है।

Industrial Training Institute

Skill India
अभियंता बनो, देश बने

छत्तीसगढ़ (प्रा.) आई.टी.आई
N.C.V.T, D.G.T. तथा छ.ग. शासन से मान्यता प्राप्त

प्रवेश प्रारम्भ 2026-27

• कोपा • कम्प्यूटर हाइवैयर
• इलेक्ट्रीशियन • हेल्थ सेनेटरी इंस्पेक्टर

मो. नं - 8602910708
पता - बोरसी, धनोरा - दुर्ग

छत्तीसगढ़ कृषि कॉलेज
धनोरा, दुर्ग

बी.एस.सी. (कृषि)
Mob : 8982102362

SPS CONSTRUCTION & ENGINEERING WORKS
Street No.-55, Kripal Nagar, Kohka

Happy Engineers Day

मोक्षगुंडम डॉ. विश्वेश्वरैया की जयंती पर शुभकामनाएं
शुभकामनायें.

क्यों मनाया जाता है इंजीनियर्स डे ?

भारत में हर साल 15 सितंबर को इंजीनियर्स डे मनाने की परंपरा महान अभियंता डॉ. एम. विश्वेश्वरैया के सम्मान में शुरू हुई। उनका जन्म 15 सितंबर 1861 को कर्नाटक के मुद्देनहल्ली में हुआ था। उन्होंने इंजीनियरिंग और सार्वजनिक निर्माण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया। जल संसाधन प्रबंधन, सिंचाई व्यवस्था और बांध निर्माण से जुड़े उनके कार्यों ने उन्हें देश के प्रमुख इंजीनियरों में स्थान दिलाया। डॉ. विश्वेश्वरैया की कार्यशैली में अनुशासन, समय की पाबंदी, तकनीकी दक्षता और राष्ट्र निर्माण की भावना प्रमुख थी। वर्ष 1955 में उन्हें भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया। उनकी जयंती को इंजीनियर्स डे के रूप में मनाकर देश तकनीकी क्षेत्र में योगदान देने वाले सभी इंजीनियरों के प्रति सम्मान व्यक्त करता है।



विकास की रीढ़ हैं इंजीनियर

किसी भी देश के आर्थिक और सामाजिक विकास में इंजीनियरों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होती है। सड़क, पुल, रेलवे, बिजली संयंत्र, जल परियोजनाएं, कारखाने, अस्पताल, संचार नेटवर्क और डिजिटल सेवाओं से लेकर अंतरिक्ष मिशनों तक इंजीनियरिंग का योगदान दिखाई देता है। आज देश में तेजी से हो रहे बुनियादी ढांचे के विस्तार के पीछे सिविल, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स, कंप्यूटर और अन्य शाखाओं के इंजीनियरों की विशेषज्ञता काम कर रही है। किसी परियोजना की योजना बनाने से लेकर उसके डिजाइन, निर्माण, परीक्षण और संचालन तक इंजीनियर महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।



डिजिटल सेवाओं से लेकर अंतरिक्ष मिशनों तक इंजीनियरिंग का योगदान दिखाई देता है। आज देश में तेजी से हो रहे बुनियादी ढांचे के विस्तार के पीछे सिविल, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स, कंप्यूटर और अन्य शाखाओं के इंजीनियरों की विशेषज्ञता काम कर रही है। किसी परियोजना की योजना बनाने से लेकर उसके डिजाइन, निर्माण, परीक्षण और संचालन तक इंजीनियर महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

बदलते समय के साथ बदल रही इंजीनियरिंग

तकनीक के क्षेत्र में तेजी से हो रहे बदलावों ने इंजीनियरिंग की परिभाषा को भी व्यापक बनाया है। पहले इंजीनियरिंग का प्रमुख फोकस मशीनों, भवनों और औद्योगिक परियोजनाओं तक सीमित माना जाता था, लेकिन अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, रोबोटिक्स, ड्रोन तकनीक, साइबर सुरक्षा, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और स्मार्ट मैनुफैक्चरिंग जैसे क्षेत्र तेजी से उभर रहे हैं। कंप्यूटर और सॉफ्टवेयर इंजीनियर आज डिजिटल अर्थव्यवस्था को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। वहीं इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रिकल इंजीनियर नई पीढ़ी की ऊर्जा प्रणालियों, इलेक्ट्रिक वाहनों और स्मार्ट उपकरणों के विकास में योगदान दे रहे हैं।



पर्यावरण संरक्षण में भी अहम भूमिका

आज विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण भी बड़ी चुनौती है। ऐसे में इंजीनियरों के सामने ऐसी तकनीक विकसित करने की जिम्मेदारी है, जिससे विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाया जा सके। सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन, ऊर्जा दक्ष मशीनें, जल संरक्षण तकनीक और कचरा प्रबंधन जैसी व्यवस्थाओं में इंजीनियरिंग का योगदान लगातार बढ़ रहा है। ग्रीन बिल्डिंग, स्मार्ट सिटी और टिकाऊ बुनियादी ढांचे की अवधारणा भी आधुनिक इंजीनियरिंग का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है। आने वाले समय में कम ऊर्जा खपत और कम प्रदूषण वाली तकनीकों के विकास में इंजीनियरों की भूमिका और महत्वपूर्ण होने वाली है।

युवाओं के लिए इंजीनियरिंग में बढ़ते अवसर

इंजीनियरिंग आज युवाओं के लिए केवल एक डिग्री हासिल करने का माध्यम नहीं है, बल्कि विभिन्न क्षेत्रों में करियर बनाने का व्यापक अवसर प्रदान करती है। पारंपरिक इंजीनियरिंग शाखाओं के साथ-साथ डेटा साइंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ऑटोमेशन, रोबोटिक्स, साइबर सिक्योरिटी और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में भी विशेषज्ञों की मांग बढ़ रही है। इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों के लिए केवल किताबी ज्ञान पर्याप्त नहीं है। बदलते तकनीकी दौर में प्रैक्टिकल नॉलेज, समस्या समाधान की क्षमता, नई तकनीक सीखने की इच्छा और रचनात्मक सोच भी उतनी ही महत्वपूर्ण हो गई है।

पाटन। पाटन नगर व ग्रामीण अंचल में दिन में 10 से अधिक बार हो रही अघोषित बिजली कटौती से आम जनता, व्यापारी और विद्यार्थी परेशान हैं। पाटन व्यापारी संघ के अध्यक्ष होरीलाल देवांगन ने तीजा पर्व को देखते हुए अनावश्यक कटौती पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। व्यापारियों ने चेतावनी दी है कि यदि 20 सितंबर तक बिजली आपूर्ति में सुधार नहीं हुआ, तो उद्योग आंदोलन किया जाएगा। मामले पर पक्ष जानने के लिए जब विद्युत विभाग पाटन के जीई कमलेश कुमार साहू से संपर्क करने का प्रयास किया गया, तो उन्होंने फोन का कोई जवाब नहीं दिया।

मा. विष्णुदेव साय
मुख्यमंत्री छ.ग. शासन

मा. अरूण साव
उप मुख्यमंत्री,
नारीय प्रशासन मंत्री
छ.ग. शासन

मा. राजेन्द्र यादव
केबिनेट मंत्री
छ.ग. शासन

श्रीमती अन्का बघ्मत्
महोदय, दुर्ग

मा. प्रयास शर्मा
सम्पाति, नगर निगम, दुर्ग

मा. देवनायचन चंद्राकर
पार्षद एवं एसआईसी सदस्य
नगर निगम दुर्ग

"The way to build a nation is to build a good citizen.
The majority of the citizens should be efficient, of good
character and possess a reasonable high sense of duty."
-M. Visvesvaraya

Celebrating
Engineer's Day

My tribute to the magnificent engineering mind
of the nation **Bharat Ratna**
Shri Mokshagundam Visvesvaraya
on his birth anniversary.

-:: शुभेच्छु ::-

इंजी. खिलानंद साहू इंजी. मदन चक्रधारी इंजी. शशिकांत निर्मल इंजी. वसीम अकसम कुरैशी

इंजी. तरुण परगनिहा इंजी. आशीष गिरी इंजी. एच.के. साहू इंजी. योगेश निर्मलकर

HI TEK
SUPER SPECIALITY HOSPITAL
inspiring better health

**सबसे बड़ा
ड्रामा सेंटर**

सभी विभाग
इन्टरजेली मेडिसिन,
कार्डियोलॉजी बैकअप,
क्रिटिकल केयर
(इंटेंसिविस्ट), एनेस्थीसिया,
डेंटल/मैक्सिलोफेशियल
सर्जन, प्लास्टिक सर्जन,
यूरोलॉजिस्ट, ईएनटी सर्जन

सभी जांचे
डिजिटल एक्स-रे, सीटी
स्कैन, ईईजी, ईसीजी,
पैथोलॉजी जांच

विशेषताएं
इन्टरजेली तक सीधी पहुंच,
4 मॉड्यूलर ऑपरेशन
थिएटर, पृथक-पृथक
आईसीयू, 24x7 डायलिसिस

NABH Accredited

हाईटेक सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल
जुनवानी स्मृति नगर रोड, भिलाई, फोन: 0788-4056666

डॉ दीपक बंसल
न्यूरो सर्जन

डॉ नविल शर्मा
जनरल सर्जन

डॉ राहुल ठाकुर
ऑन्कोलॉजिक सर्जन

डॉ दीपक सिन्हा
ऑन्कोलॉजिक सर्जन

डॉ नीलिमा बग्गोडे
इन्टेसिविस्ट

लाइव इवेंट

राज्य स्तरीय शाला बास्केटबॉल में दुर्ग की बालिकाओं ने जीता स्वर्ण



भिलाई। राज्य स्तरीय शालेय बास्केटबॉल प्रतियोगिता में दुर्ग संभाग की बालिका टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। पूरे टूर्नामेंट में अजेय रही दुर्ग संभाग की टीम ने फाइनल मुकाबले में रायपुर संभाग को 35-20 से तथा सरगुजा संभाग को 35-11 से पराजित कर अपनी श्रेष्ठता साबित की। प्रतियोगिता में दुर्ग संभाग की टीम का दबदबा शुरुआत से ही कायम रहा। टीम ने बस्तर संभाग को एकतरफा मुकाबले में 45-0 से तथा बिलासपुर संभाग को 51-0 से हराया। इसके बाद रायपुर और सरगुजा के खिलाफ भी शानदार जीत दर्ज करते हुए टीम ने स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया।

टीम के कोच रोहित पटेल और मैनेजर मुदुला गुप्ता के मार्गदर्शन में खिलाड़ियों ने बेहतरीन तालमेल, अनुशासन और आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया। टीम की इस उपलब्धि पर सहायक संचालक कल्पना स्वामी, आरती शुक्ला, जयारेड्डी, प्राचार्य विनोद कश्यप, जिला क्रीड़ा अधिकारी विनोद हाथेल, अन्वास आलम, अंडर-14 एवं अंडर-19 बालक वर्ग के कोच नवीन मांडवी, प्रतिमा कौशिक सहित समस्त स्टाफ ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। गौरतलब है कि दुर्ग की बालिका बास्केटबॉल खिलाड़ियों ने हाल ही में बनारस में आयोजित ऑल इंडिया प्रतियोगिता में भी शानदार प्रदर्शन किया था। अंडर-14, अंडर-17 और अंडर-19 वर्ग की बालिकाओं ने अपने-अपने वर्ग में उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया था। इसके अलावा खेल अलंकरण समारोह में भी टीम के छह खिलाड़ियों को नगद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। दुर्ग संभाग के ये खिलाड़ी भिलाई के राजेश पटेल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, सेक्टर-2 में कोच रोहित पटेल के मार्गदर्शन में नियमित अभ्यास कर रहे हैं।

सिटी इवेंट

डॉ. बलदेव का साहित्य सामाजिक उत्थान की अनिवार्य आवश्यकता



भिलाई। साहित्य मनीषी एवं मानस मर्मज्ञ डॉ. बलदेव प्रसाद मिश्र की 128वीं जयंती के अवसर पर कान्यकुब्ज सामाजिक चेतना मंच, भिलाई-दुर्ग के तत्वावधान में मानव आश्रम, सेक्टर-1 में साहित्यिक गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एवं साहित्य अकादमी छत्तीसगढ़ शासन के अध्यक्ष शशांक शर्मा ने डॉ. मिश्र के साहित्य को सामाजिक उत्थान की अनिवार्य आवश्यकता बताते हुए कहा कि उनका साहित्य समाज को दिशा देने, मानवीय मूल्यों को स्थापित करने और सामाजिक चेतना को जागृत करने की महत्वपूर्ण क्षमता रखता है।

कार्यक्रम में डॉ. एन.पी. दीक्षित, दुर्ग विश्वविद्यालय के प्रथम कुलपति, सरयूपारी ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष प्रभुनाथ मिश्रा, रायपुर कान्यकुब्ज ब्राह्मण सभा के अध्यक्ष सुरेश मिश्रा, प्रोफेसर आर.पी. दीक्षित तथा छत्तीसगढ़ वित्त निगम के पूर्व अध्यक्ष वीरेंद्र पांडेय ने भी डॉ. बलदेव प्रसाद मिश्र के साहित्य, उनके व्यक्तित्व एवं समाज के प्रति उनके योगदान पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के शुरुआत में स्वागत भाषण कान्यकुब्ज सामाजिक चेतना मंच के अध्यक्ष उमाकांत दीक्षित ने दिया। अंत में आभार व्यक्त राजनांदगांव के प्रोफेसर सी.एस. शर्मा और मंच के महासचिव रवीन्द्र मिश्रा ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन अजय शुक्ला और अतुल अवस्थी ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय दुर्ग के प्राचार्य डॉ. ए. के. सिंह, प्रोफेसर त्रिपाठी, डॉ. अनुपम शुक्ला, संजय अवस्थी, कान्यकुब्ज सभा राजनांदगांव के पूर्व अध्यक्ष प्रदीप मिश्र, कान्यकुब्ज सामाजिक चेतना मंच भिलाई-दुर्ग के पूर्व अध्यक्ष आशीष मिश्रा, वरिष्ठ नागरिक मंच के अध्यक्ष के.डी. राय, सरयूपारी ब्राह्मण समाज के महासचिव राम-लखन मिश्रा सहित बड़ी संख्या में साहित्यप्रेमी एवं समाज के गणमान्यजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जयदेव शुक्ला, रामकिंकर मिश्रा, वीबी सिंह, अतिवीर सिंह, मंच के सचिव राकेश शुक्ला, उपाध्यक्ष आलोक शुक्ला, संगठन सचिव ब्रज किशोर द्विवेदी, अंचल शुक्ला, सतीश शुक्ला, स्वदेश शुक्ला, सीके तिवारी, गार्गी मिश्रा, राजश्री अवस्थी, संदीप दीक्षित, श्रवण शुक्ल, विजय तिवारी, शैलेन्द्र दुबे, गुरु प्रसाद तिवारी, विजया मिश्रा, शकुंतला तिवारी सुरीला दीक्षित, पीके तिवारी राकेश शुक्ला सीनियर सहित अनेक नागरिक उपस्थित थे।

पूर्व में जारी आदेश में संशोधन कर जिले हेतु घोषित किए गए स्थानीय अवकाश

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने पूर्व में जारी आदेश में आंशिक संशोधन करते हुए वर्ष 2026 के लिए जिला स्तर पर 3 स्थानीय अवकाश घोषित किये हैं। जारी संशोधित आदेश के अनुसार जिले में नुआखाई/नवा खाई के अवसर पर 15 सितंबर मंगलवार, दशहरा महाअष्टमी पर 19 अक्टूबर सोमवार और भाईदूज पर 11 नवंबर बुधवार को स्थानीय अवकाश रहेगा। कलेक्टर द्वारा जारी यह आदेश दुर्ग जिले के सभी शासकीय कार्यालयों और संस्थानों के लिए लागू होगा। हालांकि, यह स्थानीय अवकाश जिले के कोषालय, उप-कोषालय एवं बैंकों के लिए लागू नहीं रहेगा।

● भिलाई-दुर्ग सहित ग्रामीण अंचलों में 5 हजार से ज्यादा स्थानों पर विराजे गणपति

विघ्नहर्ता विराजे, गूंजा गणपति बप्पा मोरया, जगह-जगह निकली शोभायात्रा, झांकियों व जयकारों से भक्तिमय हुई दिवनसिटी

ढोल-नगाड़ों की थाप, फूलों से सजे वाहन, आकर्षक झांकियां और ‘गणपति बप्पा मोरया’ के जयकारे... सोमवार को गणेश चतुर्थी पर दिवनसिटी की सुबह से ही भगवान गणेश के स्वागत की तैयारियां रंग लाईं। कहीं गाजे-बाजे के साथ शोभायात्रा निकालकर विघ्नहर्ता को पंडाल तक लाया गया तो कहीं घरों में विधि-विधान से गणपति की स्थापना हुई। शहर के चौक-चौराहों से लेकर गली-मोहल्लों तक पूरा वातावरण गणपतिमय नजर आया। भिलाई-दुर्ग सहित ग्रामीण क्षेत्रों में छोटी-बड़ी समितियों और घरों को मिलाकर 5 हजार से अधिक स्थानों पर गणपति प्रतिमाएं विराजित की गईं। इसके साथ ही 11 दिवसीय गणेशोत्सव की शुरुआत हो गई।



भिलाई। गणपति के स्वागत के लिए भिलाई के सेंट्रल एवेन्यू रोड, पावर हाउस, खुसीपार, शिवाजी नगर सहित अनेक स्थानों पर आकर्षक पंडाल और झांकियां सजाई गईं। शोभायात्राओं में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। युवाओं की टोली ढोल की थाप पर नाचती नजर आई। तो वहीं महिलाएं और बच्चे भी गणपति के स्वागत में उत्साहित दिखे। कई समितियों ने भगवान गणेश के आगमन को यादगार बनाने के लिए अलग-अलग थीम पर झांकियां तैयार की हैं। सेक्टर 2 न्यू आजाद उत्सव समिति द्वारा आयोजित भव्य आयोजन में खूबसूरत झांकी के साथ 21 फीट के गणेश की प्रतिमा आचार्य संदीप तिवारी के मार्गदर्शन विराजित की गई।



हरिभूमि कार्यालय में भी विराजे गणपति, दर्शन को पहुंचे भाजपा अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन

गणेश चतुर्थी के अवसर पर हरिभूमि भिलाई कार्यालय में भी भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। पंडित बलदाऊ पांडे ने पूजा-पाठ संपन्न करवाया। इसके बाद पहले दिन की आरती में भिलाई भाजपा जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन, कमला मेडिकल स्टोर संचालक संजय खंडेलवाल, राजू खान सहित भिलाई कार्यालय के सदस्य और अन्य लोग शामिल हुए। सभी ने भगवान गणेश की आरती कर सुख-समृद्धि एवं मंगल की कामना की।



बाजारों में भी रही रौनक

गणेश चतुर्थी को लेकर शहर के बाजारों में भी विशेष रौनक देखने को मिली। इंदिरा मार्केट, जीई रोड, पावर हाउस, सुपेला घड़ी चौक सहित विभिन्न स्थानों पर गणेश प्रतिमाओं की दुकानों पर श्रद्धालुओं की भीड़ रही। दुकानों पर एक फुट से लेकर 10-12 फुट तक की प्रतिमाएं उपलब्ध रही। मिट्टी की प्रतिमाओं के साथ रंगीन फाड़बटर की प्रतिमाओं ने भी लोगों को आकर्षित किया। इसके अलावा सजावटी सामग्री, फूल-मालाएं, विद्युत सजावट, पूजा सामग्री और मिठाइयों की दुकानों पर भी खरीदारों की भीड़ रही।

पंडितों की मार्ने गणेश चतुर्थी पर भाद्रपद महीने की चतुर्थी तिथि से शुभ संयोग बना। गणेश पुराण में बताया गया है कि ऐसे ही संयोग में देवी पार्वती ने दोपहर के समय गणपति की मूर्ति बनाई थी, जिसमें भगवान शिव ने प्राण डाले थे। गणपति की स्थापना के लिए सोमवार को पूरे दिन शुभ मुहूर्त रहा। भादौ महीने की इस गणेश चतुर्थी पर गणपति की सिद्धि विनायक रूप में पूजन का विधान है। इस रूप की पूजा भगवान विष्णु ने की थी और ये नाम भी दिया। गणेश के सिद्धि विनायक रूप की पूजा हर मांगलिक काम से पहले होती है। माना जाता है गणेश जी का ये रूप सुख और समृद्धि देने वाला होता है। इनकी पूजा से हर काम में सफलता मिलती है। इसलिए इन्हें सिद्धि विनायक कहते हैं। सिद्धि विनायक रूप की मूर्ति लाल रंग की होती है। ये बैठे हुए गणेश होते हैं। मूर्ति के सिर पर मुकुट और गले में हार होता है। दायां दांत टूटा और बायां पूरा होता है। नाग की जनेऊ पहनी होती है। एक हाथ आशीर्वाद देते हुए, दूसरे हाथ में मोदक और रुद्राक्ष की माला रहती है। तीसरे हाथ में अंकुश (हथियार) रहता है। चौथे में पाश होता है। दायां पैर मुड़ा हुआ और बायां नीचे की तरफ निकला हुआ होता है।

मां कल्याणी शीतला मंदिर मरोदा टैंक में तीन दिवसीय तीजा तिहार आयोजित

गोटा, तिरीपासा, फुगड़ी और आलू दौड़ में दिखाया टैलेंट, फुलेरा सजाकर हुई पूजा

भिलाई। मां कल्याणी शीतला मंदिर मरोदा टैंक रिसाली में तीन दिवसीय तीजा तिहार पर्व का समापन हुआ। पहले दिन कल्याणी शीतला के पूजा-आरती के बाद तीजहारिन महिलाओं को करुभात प्रसाद का वितरण हुआ। दूसरे दिन सोमवार को तीजहारिन महिलाओं के लिए मंदिर के सामने विविध खेल कूद प्रतियोगिता सम्पन्न हुई। जिसमें गोटा, तिरीपासा, फुगड़ी, रंगोली, मेंहदी, मटका फोड़, धीमी चाल, गोली चम्मच मटका दौड़, सुई धागा दौड़, आलू दौड़ सुरीली कुरसी दौड़ हाना-जनऊला, सुध्वर तीजहारिन प्रतियोगिता सम्पन्न हुई। शाम को मां कल्याणी के दरबार में फुलेरा संग शिव-पार्वती के पूजा-पाठ हुआ। रात्रि में विजेता तीजहारिन महिलाओं को पुरस्कृत किया गया। रात्रि में नाचा-गममत का आयोजन हुआ। मंगलवार की सुबह मां कल्याणी के पूजा-आरती के बाद सुहाग सामग्री और फरहार प्रसाद का वितरण किया जायेगा। इस अवसर पर कार्यक्रम स्थल में रैचुली झूला लगाया गया था।



सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत जय मां दुलवारिन नाचा पाती का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का संचालन समिति के अध्यक्ष शैलेन्द्र शैली ने किया। इस अवसर पर पार्षद विधि यादव, अरुण वर्मा, मूखा यादव, संतोष चंद्रकार, शंभू पटेल, सुरेन्द्र शर्मा, तेजराज साहू, प्रमोद साहू सहित समिति के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

सिटी इवेंट

जरूरतमंद मरीजों के लिए सेवा का सहारा बनी साईं नाथ सेवा समिति



भिलाई। अस्पताल में भर्ती मरीजों के लिए दवाइयों और उपचार के साथ छोटी-छोटी सुविधाएं भी राहत का कारण बनती हैं। इसी भावना के साथ श्री साईं नाथ जन सेवा समिति, भिलाई ने लाल बहादुर शास्त्री शासकीय अस्पताल, सुपेला में जरूरतमंद मरीजों की सुविधा के लिए 50 बेडशीट का वितरण किया। गुरुवार को दोपहर 1 बजे समिति के पदाधिकारियों और सदस्यों ने अस्पताल के प्रभारी चिकित्साधीक्षक डॉ. पोयम सिंह से भेंट कर बेडशीट मरीजों के उपयोग के लिए सौंपी।

समिति के सदस्यों ने कहा कि सेवा का उद्देश्य केवल किसी एक जरूरत को पूरा करना नहीं, बल्कि जरूरत के समय लोगों के साथ खड़ा होना है। अस्पताल में मरीजों की सुविधा के लिए भविष्य में भी आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। श्री साईं नाथ जन सेवा समिति द्वारा इससे पहले अस्पताल की जरूरत को देखते हुए चार कूलर प्रदान किए जा चुके हैं। इसके अलावा मरीजों और उनके परिजनों के लिए चाय-बिस्किट, फल वितरण सहित अन्य सेवा कार्य भी किए जाते रहे हैं। समिति अस्पताल सेवा के साथ रक्तदान के प्रति जागरूकता, जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की व्यवस्था, रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य जागरूकता और विभिन्न सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय है। संस्था का प्रयास जरूरतमंद और असहाय लोगों तक यथासंभव सहायता पहुंचाना है। इस अवसर पर एन. एन. राव, एम. वी. राव, के. उमाशंकर राव, संदीप गुप्ता, एम. पापाराव, जगमैया, डी. येसेया, वी. तिरुपति, सीएच. अप्पलस्वामी, डी. माधव राव, श्रीनिवास, पी. भरत, सुजल जायसवाल, एम. कोटेश्वर राव सहित समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। समिति के सदस्यों ने कहा कि समाज में बदलाव हमेशा बड़े प्रयासों से ही नहीं आता। जरूरत के समय किसी के काम आना भी सेवा का महत्वपूर्ण रूप है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि जन्मदिन, विवाह वर्षगांठ और अन्य विशेष अवसरों को जरूरतमंदों की सहायता से जोड़कर उन्हें समाज के लिए सार्थक बनाया जाए।

सिटी लाइव

रचनात्मकता के रंगों से सजी एवाईसी की कार्यशाला, मिट्टी से बनाई गणेश प्रतिमा



भिलाई। एवाईसी भिलाई की टीम द्वारा गणेश प्रतिमा निर्माण एवं सजावट कार्यशाला का आयोजन किया गया। रचनात्मकता, कला और संस्कारों से जुड़े इस दो दिवसीय आयोजन में एवाईसी परिवार के 31 सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता दी। कार्यशाला का उद्देश्य सदस्यों को भगवान गणेश की प्रतिमा स्वयं तैयार करने का अनुभव प्रदान करने के साथ ही कला, सृजनात्मकता और पर्यावरण के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देना था। कार्यशाला के पहले दिन प्रतिभागियों ने मिट्टी से अपने हाथों से गणेश प्रतिमाओं का निर्माण किया। प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह और लगन के साथ मिट्टी को विभिन्न आकार देते हुए भगवान गणेश की सुंदर प्रतिमाओं को साकार किया। कार्यशाला के दूसरे दिन प्रतिमाओं को रंगों, सजावटी सामग्रियों और कलात्मक कल्पनाशीलता के माध्यम से आकर्षक रूप प्रदान किया गया। बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी प्रतिभागियों ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए गणेश प्रतिमाओं को अलग-अलग स्वरूपों में सजाया। प्रतिभागियों द्वारा निर्मित गणेश प्रतिमा और आकर्षक साज-सजा को सराहना मिली। यह आयोजन अध्यक्ष प्रीति पराग गोयल, सचिव अंशु पलाश सिंघानिया, सांस्कृतिक सचिव विन्नी मयंक सिंघल के मार्गदर्शन में किया गया। उन्होने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि इस तरह के रचनात्मक एवं पारिवारिक आयोजन सदस्यों के बीच आपसी जुड़ाव और सहयोग की भावना को मजबूत करने के साथ-साथ बच्चों और युवाओं को अपनी कला एवं संस्कृति से जोड़ने का अवसर प्रदान करते हैं। कार्यशाला आयोजन में विचार समिति के संचालक पूजा विक्रांत अग्रवाल, रेणु राहुल देव बंसल, संगीता अतुल गर्ग एवं अन्य पदाधिकारियों का योगदान रहा।

राष्ट्रीय स्पर्धा के लिए प्रदेश बॉल बैडमिंटन टीम की घोषणा

भिलाई। 72 वीं सीनियर राष्ट्रीय बॉल बैडमिंटन प्रतियोगिता 2026-27 भारतीय बॉल बैडमिंटन महासंघ व आंध्र प्रदेश बॉल बैडमिंटन संघ के संयुक्त तत्वाधान में कालहस्ती, तिरुपति आंध्र प्रदेश 24 से 28 सितंबर तक आयोजित है। इस प्रतियोगिता में भाग लेने छत्तीसगढ़ पुरुष व महिला टीम का घोषणा वाई राजा राव, महासचिव, छत्तीसगढ़ बॉल बैडमिंटन संघ द्वारा की गई। महिला वर्ग में हेमवती, वृंदावती, समीरा, सभी बस्तर से, रिया तिवारी, कबीरधाम, पलक, पूजा साहू, चेतन साहू, भिलाई स्टील प्लांट, शेषकुमारी, धमतरी, लक्ष्मी चंद्रकार, महासमुंद, खुशबू बलौदा बाजार, मैनेजर भिशिका वर्मा, कोच एकता ताम्रकार शामिल हैं। वहीं पुरुष वर्ग में एस राहुल, महेश कुमार, भूपण साहू, भिलाई स्टील प्लांट, कुणाल साहू, दुर्गा राहित, दत्तेवाड़ा अजीत, बस्तर, नरेंद्र, धमतरी, लीलाधर, भावेश, जयद खान, सभी दुर्ग, मैनेजर रामेंद्र यादव और कोच नजीर खान शामिल हैं।

पोथी यात्रा के साथ देवी माहात्म्य कथा का आरंभ

सिर पर देवी भागवत की पोथी, भजनों के साथ निकली यात्रा, बाबा रामदेव मंदिर में गूंजी मां जगदंबा की महिमा

भिलाई। सिर पर विराजित पवित्र देवी भागवत की पोथी, जुबां पर मां के जयकारे और भजनों की मधुर धुन... गंजपारा में आस्था का मनमोहक दृश्य नजर आया। श्री सतीचौरा मां दुर्गा मंदिर से निकली पोथी यात्रा बाजे-गाजे और संकीर्तन के साथ बाबा रामदेव मंदिर पहुंची। श्रद्धालुओं ने पोथी को सिर पर धारण कर मुख्य मार्ग से यात्रा की और मां जगदंबा की भक्ति में लीन नजर आए। इसी पोथी यात्रा के साथ गंजपारा स्थित बाबा रामदेव मंदिर में देवी माहात्म्य कथा का शुभारंभ हुआ। भगवान श्रीकृष्ण द्वारकाधीश के अवतार बाबा रामदेव का जन्मोत्सव 12 से 22 सितंबर तक विभिन्न धार्मिक आयोजनों के साथ मनाया जा रहा है। कथा प्रारंभ होने से पहले श्री सतीचौरा मां दुर्गा मंदिर परिसर में महाराष्ट्र के पुलिसा से पहुंचे प्रसिद्ध कथा वाचक गोवत्स पंडित राजीव कृष्ण महाराज का स्वागत किया गया। इसके बाद उन्होंने माता दुर्गा की पूजा-अर्चना की और देवी भागवत की पोथी का विधिवत पूजन किया। पूजन के बाद पवित्र ग्रंथ को सिर पर धारण कर श्रद्धालु पोथी यात्रा में शामिल हुए। गंजपारा के मुख्य मार्ग से गुजरती यात्रा में संकीर्तन और भक्ति गीतों से वातावरण भक्तिमय हो गया। बाबा रामदेव मंदिर पहुंचने पर आयोजकों ने यात्रा का स्वागत किया और उपस्थित धर्मप्रियों को प्रसाद स्वरूप स्वल्पाहार वितरित किया गया।



व्यास पीठ से समझाई देवी भागवत की महिमा

पोथी यात्रा के बाद कथा के प्रथम दिवस व्यास पीठ का पूजन एवं वंदना की गई। राजीव कृष्ण महाराज ने देवी माहात्म्य और प्रथम स्कंध का वर्णन करते हुए कहा कि श्रीमद् देवीभागवत महापुराण में मां जगदंबा की महिमा का विस्तार से वर्णन मिलता है। प्रथम स्कंध में सूत जी और शौनक आदि ऋषियों के संवाद के माध्यम से कथा का आरंभ होता है। इसमें भगवती महाशक्ति के स्वरूप, उनके नाम की महिमा तथा पुरुषों के महत्त्व को समझाया गया है। उन्होंने कहा कि देवी भागवत का सार एक मंत्र में समाहित है जिसका भावार्थ है कि जो भगवती जगदंबिका समस्त चेतना की स्वरूपा और ब्रह्मविद्या स्वरूपा हैं, हम उनका ध्यान करते हैं। वे हमारी बुद्धि को सन्मार्ग की ओर प्रेरित करें तथा उसे पवित्र और तीव्र बनाएं। कथा के माध्यम से श्रद्धालुओं को भक्ति के साथ सद्बुद्धि, विवेक और सकारात्मक जीवन दृष्टि का संदेश दिया गया।



10 दिनों तक होंगे विभिन्न धार्मिक आयोजन

बाबा रामदेव मंदिर समिति के अध्यक्ष पंकज राठी ने बताया कि दुर्गों की धार्मिक परंपरा के अनुरूप इस वर्ष भी जन्मोत्सव के अवसर पर 10 दिनों तक विभिन्न धार्मिक आयोजन किए जा रहे हैं। 13 से 19 सितंबर तक राजीव कृष्ण महाराज के श्रीमुख से देवी माहात्म्य कथा होगी। आयोजन में कथा के मुख्य रजमान पंकज पुरुषोत्तम गांधी, विठ्ठल दास भूतड़ा, ओमप्रकाश टावरी, छगन चांडक, माहेश्वरी समाज अध्यक्ष अशोक राठी, सुरेंद्र राठी, मनोज टावरी, महेंद्र गांधी, मनोज भूतड़ा, गोपाल राठी, प्रवीण भूतड़ा, गोलू राठी, दिनेश टावरी, आलोक चांडक, नंदू चांडक, रामावतार राठी, अजय शर्मा, सुरेश गुप्ता, राजेश शर्मा, मनोज गुप्ता, ललित शर्मा, दिनेश शर्मा, राहुल शर्मा, सुजल शर्मा, मनोष सेन, सोनल सेन, शरद भूतड़ा सहित सैकड़ों महिला-पुरुष उपस्थित रहे।

मातृशक्ति के त्याग व समर्पण का पर्व

मरोदा टैंक में तीजा पर्व पर विधायक ललित ने बांटा करू व करेला भात



भिलाई। मरोदा टैंक स्थित मां कल्याणी शीतला मंदिर परिसर में छत्तीसगढ़ के पारंपरिक तीजा पर्व के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर शामिल होकर माताओं एवं बहनों को करू करेला भात का वितरण किया। इस अवसर पर विधायक ने माताओं एवं बहनों से आत्मीय भेंट कर तीजा पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि तीजा पर्व छत्तीसगढ़ की संस्कृति में मातृशक्ति के त्याग, समर्पण और अटूट आस्था का प्रतीक है। यह पर्व हमारे पारिवारिक मूल्यों और लोक परंपराओं को सशक्त करता है। माताओं-बहनों का व्रत और उनका आशीर्वाद ही हमारे परिवार और समाज की सबसे बड़ी शक्ति है। इस दौरान उन्होंने समस्त क्षेत्रवासियों को तीजा पर्व और गणेश चतुर्थी की बधाई दी। इस अवसर पर मां शीतला कल्याणी मंदिर के अध्यक्ष शैलेन्द्र सेंडे, महापौर शशि सिन्हा, मरोदा-पुरैना मंडल अध्यक्ष राजू जंघेल, रिसाली मंडल अध्यक्ष अनुपम साहू, महामंत्री गुड्डू झा, मंडल उपाध्यक्ष सविता महिलांग, महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष शकुलला दासे, अनुपमा गोस्वामी, राजेश्वरी पसीने, संध्या वर्मा, पार्षदांगण चंद्रेश्वरी बांधे, ईश्वरी साहू, सरिता देवांगन, शीतल चेलक सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित थीं।

प्रोस्टेट कैंसर वीक पर विशेष : अवेयर रहना आवश्यक, ज्यादा देर यूरिन रोकने से बढ़ सकती है परेशानी

देश में बढ़े प्रोस्टेट कैंसर के मामले, 2024 में 40 हजार से ज्यादा मामले सामने आ चुके, परेशानी को नजरअंदाज न करें

कार्न न्यूज

दुर्गा। दिवंगतसिटी प्रोजेक्टेंट कैंसर पर जागरूकता की लेकर साप्ताहिक कार्यक्रम आयोजित कर रही है। मुख्य रूप से हॉस्पिटल और हेल्थ सेंटरों में आयोजन किए जा रहे हैं। इसे लेकर विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा लोगों को जागरूकता दी जा रही है। विशेषज्ञों ने बताया कि बार-बार पेशाब आना, पेशाब की धार कमजोर होना, पेशाब शुरू करने में कठिनाई या रात में बार-बार पेशाब के लिए उठना—इन समस्याओं को केवल उम्र बढ़ने का सामान्य असर मानकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। हालांकि, प्रोस्टेट से जुड़ी विभिन्न बीमारियों, जिनमें बढ़ी हुई प्रोस्टेट ग्रंथि और कुछ मामलों में प्रोस्टेट कैंसर भी शामिल है, से संबंधित हो सकते हैं। प्रोस्टेट कैंसर अवेयरनेस वीक के अवसर पर पुरुषों को प्रोस्टेट स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान आरोग्यम सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल के डॉ. नवीन राम दारुका एवं यूरोलॉजिस्ट डॉ. विवेक कुमार ने प्रोस्टेट कैंसर के संभावित लक्षणों, जोखिम कारकों, जांच और समय पर चिकित्सकीय परामर्श के महत्व के बारे में जानकारी साझा की।

यूरिन में खून आना हो सकता है खतरनाक

विशेषज्ञों ने बताया कि पेशाब शुरू करने में परेशानी, पेशाब की कमजोर या रुक-रुक कर आने वाली धार, बार-बार पेशाब लगना, रात में कई बार पेशाब के लिए उठना, पेशाब के बाद भी मूत्राशय पूरी तरह खाली न होने का एहसास या पेशाब में खून आना जैसे लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। हालांकि, इन लक्षणों का मतलब हर बार प्रोस्टेट कैंसर नहीं होता। बढ़ी हुई प्रोस्टेट ग्रंथि यूरिनरी इन्फेक्शन तथा अन्य मूत्र संबंधी समस्याएं भी इनके सामान्य कारण हो सकते हैं।

दुनियाभर में 15 लाख से अधिक नए मामले

प्रोस्टेट कैंसर पुरुषों में पाए जाने वाले प्रमुख कैंसर में से एक है और इसका वैश्विक बोझ लगातार महत्वपूर्ण बना हुआ है। आपआरसी के ग्लोबलकेन 2024 अनुमान के अनुसार वर्ष 2024 में दुनिया में लगभग 15.46 लाख नए प्रोस्टेट कैंसर के मामलों और करीब 4.20 लाख मौतों का अनुमान लगाया गया। भारत में इसी अवधि में लगभग 40,071 नए मामलों और 17,018 मौतों का अनुमान है। विशेषज्ञों के अनुसार, उम्र बढ़ने के साथ प्रोस्टेट कैंसर का जोखिम बढ़ता है। इसके अलावा परिवार में प्रोस्टेट कैंसर का इतिहास और अन्य व्यक्तिगत जोखिम कारक भी महत्वपूर्ण हो सकते हैं। इसलिए जोखिम वाले पुरुषों को अपने डॉक्टर से व्यक्तिगत स्तर पर जांच और स्क्रीनिंग की आवश्यकता के बारे में चर्चा करनी चाहिए।

समय पर जांच से मिलती है सही दिशा

डॉ. नवीन राम दारुका ने बताया कि प्रोस्टेट से संबंधित समस्या के मूल्यांकन के लिए मरीजों को उम्र, लक्षण, पारिवारिक इतिहास और अन्य जोखिम कारकों को ध्यान में रखा जाता है। आवश्यकता के अनुसार पीएसए रक्त जांच, चिकित्सकीय परीक्षण, एमआरआई तथा प्रोस्टेट बायोप्सी जैसी जांचों की सलाह दी जा सकती है। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति के लिए पीएसए स्क्रीनिंग एक जैसी नहीं होती। स्क्रीनिंग का निर्णय व्यक्ति की उम्र, पारिवारिक इतिहास, जोखिम कारकों और डॉक्टर के साथ चर्चा के आधार पर किया जाना चाहिए। डॉ. विवेक कुमार ने कहा कि पुरुषों को पेशाब से जुड़ी समस्याओं को शर्म या संकोच के कारण छिपाना नहीं चाहिए। लगातार बने रहने वाले या नए लक्षणों की समय पर जांच कराने से बीमारी के सही कारण की पहचान की जा सकती है और आवश्यकता होने पर उचित उपचार समय रहते शुरू किया जा सकता है।

नियमित रूप से जांच को दें प्राथमिकता

उन्होंने आगे कहा कि पुरुषों को अपनी उम्र और व्यक्तिगत जोखिम के अनुसार नियमित स्वास्थ्य जांच को प्राथमिकता देनी चाहिए। प्रोस्टेट कैंसर की शुरुआती अवस्था में कई बार कोई स्पष्ट लक्षण नहीं होते, इसलिए उपयुक्त व्यक्तियों में डॉक्टर की सलाह के अनुसार जांच महत्वपूर्ण हो सकती है। अस्पताल की ओर से लोगों को संदेश दिया गया कि "पेशाब संबंधी लगातार, असामान्य या नए लक्षणों को केवल उम्र का सामान्य असर मानकर न टालें। जागरूकता, समय पर चिकित्सकीय परामर्श और उचित जांच प्रोस्टेट संबंधी बीमारी की पहचान एवं उपचार की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। सही समय पर जांच, बेहतर जानकारी, बेहतर निर्णय और बेहतर स्वास्थ्य।

ज्योतिष

हथेली पर बनी इस तरह की मस्तिष्क रेखा दिलाती है विदेश में व्यापार और मिलती है अकूत संपत्ति



हस्तरेखा ज्योतिष शास्त्र में हथेली पर बनी रेखाओं और निशानों को देखकर व्यक्ति के भाग्य और भविष्य के बारे में काफी जानकारीयां हासिल हो सकती हैं। हथेली पर कई तरह के रेखाएं बनी हुई होती हैं, जिसमें से हर एक का अपना खास महत्व होता है। हथेली पर बनी मस्तिष्क रेखा का विशेष महत्व होता है। हथेली पर बनी शुभ मस्तिष्क रेखा से व्यक्ति को सफल होने की संभावना बहुत होती है। जिन लोगों की हथेली पर मस्तिष्क रेखा शुभ होती है उनको विदेशों से व्यापार में काफी अकूत धन संपदा की प्राप्ति होती है।

ऐसी मस्तिष्क रेखा शुभ - हस्तरेखा ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, जिन लोगों की हथेली पर बनी मस्तिष्क रेखा जीवन रेखा से निकलकर हथेली के बीच में जाकर खत्म होती है, ऐसे लोग जीवन में ऊंचा और महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति करता है। समाज में ऐसे लोगों का खूब मान-सम्मान होता है। ऐसे लोग बहुत ही थोड़े समय में ही उपलब्धियां हासिल करते हैं। इस तरह के लोगों की बुद्धि बहुत ही तेज होती है।

- जिन लोगों की मस्तिष्क रेखा जीवन रेखा के बराबर चलते हुए आगे बढ़ती है, ऐसे लोग बहुत ही आत्मविश्वास और जोश से भरे हुए होते हैं। ऐसे लोग कई माध्यमों से धन प्राप्ति करते हैं और अपने मेहनत के बल ऊंचाइयों को हासिल करते हैं।

- जब किसी व्यक्ति की हथेली पर मस्तिष्क रेखा जीवन रेखा के पास से गुजरकर हथेली के दो भागों में बांटी हुई दूसरे छोर पहुंच जाती है, तो ऐसे लोग विदेश की यात्रा खूब करते हैं। ऐसे लोगों का व्यापार विदेश में खूब चलता है।

ऐसे मस्तिष्क रेखा होती है कष्टदायी - जिन लोगों की मस्तिष्क रेखा जीवन रेखा से निकलकर उसे काटती हुई, हथेली के दूसरे छोर में पहुंचती है उनके लिए यह शुभ नहीं मानी जाती है। इस तरह की रेखा किसी दुर्घटना का संकेत देती है और ऐसे लोग अपना ही नुकसान उठाते हैं और अक्सर घोरखा मिलने के आसार इनको बना रहता है।

- जिन लोगों की हथेली में मस्तिष्क और हृदय रेखा आपस में मिलती है, ऐसे लोग बहुत ही कठोर और निर्दयी स्वभाव के होते हैं। ऐसे लोग अपराधी स्वभाव के होते हैं।

घर में जूते-चप्पल रखने का सही तरीका क्या है? जानें वास्तु के ये जरूरी नियम



दिनभर की भागदौड़ के बाद घर लौटते ही अक्सर लोगों की आदत होती है कि वे अपने जूते-चप्पल जहां-तहां खोलकर फेंक देते हैं। दिखने में यह भले ही एक छोटी सी लापरवाही लगे, लेकिन वास्तु शास्त्र और ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार इसका सीधा असर आपके जीवन की सुख-शांति, आर्थिक स्थिति और मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ता है। पैरों का संबंध ज्योतिष में शनिदेव से माना जाता है, जबकि बेतरतीब बिखरे जूते और गंदगी राहु के अशुभ प्रभाव को ज्योता देते हैं। आइए जानते हैं कि जूते-चप्पलों को व्यवस्थित रखने से जीवन पर क्या सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

1. शनिदेव का असर और कार्यों में रुकावट वैदिक ज्योतिष में पैरों और जूते-चप्पलों का प्रतिनिधि ग्रह 'शनि' को माना गया है। जब आप घर में फटे, गंदे या इधर-उधर जूते-चप्पल फैलाकर रखते हैं, तो इससे शनि का अशुभ प्रभाव बढ़ता है।

प्रभाव: बनते हुए कार्यों में अड़चनें आने लगती हैं, कड़ी मेहनत के बाद भी सफलता मिलने में देरी होती है और व्यक्ति का भाग्य साथ देना छोड़ देता है।

2. राहु का नकारात्मक प्रभाव और मान-प्रतिष्ठा, शत्रु भय

घर के मुख्य द्वार या राह में अस्त-व्यस्त जूते-चप्पल फेंकने से घर का वातावरण दूषित होता है, जिससे राहु का नकारात्मक प्रभाव बढ़ता है।

प्रभाव: इससे घर में अकारण तनाव, मानसिक अशांति और गुप्त शत्रुओं की समस्या पैदा होती है। समाज में व्यक्ति की मान-प्रतिष्ठा में कमी आती है। ज्योतिषानुसार ऐसा कार्य करने वाले के शत्रु बड़ जाते हैं और शत्रु से वे हर समय परेशान रहते हैं।

3. घर में लक्ष्मी का आगमन और वास्तु नियम

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर का मुख्य द्वार लक्ष्मी जी के आगमन का द्वार होता है। यदि मुख्य द्वार पर ही गंदगी या जूते-चप्पलों का ढेर लगा रहेगा, तो सकारात्मक ऊर्जा घर में प्रवेश नहीं कर पाती।

डॉक्टर ने किया पैरेंट्स को अलर्ट!

ज्यादा फोन चलाने से बच्चों में हो सकती हैं ये 6 बीमारियां

आज के समय में छोटे-छोटे बच्चों के हाथ में फोन दिखना आम है। पढ़ाई से ले कर एंटरटेनमेंट तक, बच्चे कई कामों के लिए फोन का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन क्या हो अगर घंटों तक बच्चे फोन में ही लगे रहें? आजकल कई पैरेंट्स यही शिकायत करते हैं कि उनका बच्चा फोन से हटता ही नहीं है। इससे सिर्फ उसकी मेंटल हेल्थ पर ही असर नहीं पड़ता, बालक फिजिकल हेल्थ भी इफेक्ट होती है। आयुर्वेद कंसल्टेंट डॉ अमरजीत ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए घंटों फोन चलाने के कुछ साइड इफेक्ट्स के बारे में बताया है। अगर आपका बच्चा भी फोन पर काफी समय बिताता है, तो इससे जुड़ी हेल्थ प्रॉब्लम्स के बारे में आपको जरूर जानना चाहिए।



ध्यान और याददाश्त में कमी

डॉक्टर के अनुसार बच्चों का ज्यादा समय मोबाइल पर बीतने से उनके ध्यान पर भी असर पड़ सकता है। मोबाइल पर वीडियो देखने या गेम खेलने के दौरान बच्चा लंबे समय तक स्क्रीन में लगा रहता है। ऐसे में पढ़ाई या किसी दूसरे काम पर ध्यान लगाने में परेशानी महसूस हो सकती है। इसलिए, माता-पिता को यह ध्यान रखना चाहिए कि बच्चा जरूरत से ज्यादा समय मोबाइल पर ना बिताए।

आंखों की कमजोरी

बच्चों का लंबे समय तक फोन की स्क्रीन देखते रहना उनकी आंखों के लिए परेशानी का कारण बन सकता है। इससे आंखों में थकान जैसी परेशानी हो सकती है और आंखों की मांसपेशियों पर दबाव पड़ सकता है। इसलिए अगर बच्चा लगातार मोबाइल इस्तेमाल करता है तो उसके स्क्रीन टाइम पर ध्यान देना जरूरी है। उसे बीच-बीच में मोबाइल से दूर रहने की आदत डालें और लंबे समय तक लगातार स्क्रीन देखने से बचाएं।

सिर दर्द और माइग्रेन

मोबाइल का ज्यादा इस्तेमाल बच्चों में सिर दर्द की समस्या भी शुरू कर सकता है। लंबे समय तक स्क्रीन देखने से आंखों पर दबाव पड़ सकता है, जिसका असर सिर पर भी महसूस हो सकता है। कुछ बच्चों में माइग्रेन जैसी परेशानी भी हो सकती है। अगर आपका बच्चा मोबाइल इस्तेमाल करने के बाद बार-बार सिर दर्द की शिकायत करता है तो उसकी इस आदत पर ध्यान दें।

सुस्ती और थकान में क्या पिएं? न्यूट्रिशनिस्ट ने बताए देसी ड्रिंक्स

दिनभर काम करने के बाद थकान महसूस होना नॉर्मल है। ऐसे में कई लोगों को तुरंत कुछ मीठा खाने या पीने की तलब उठने लगती है। मीठा लेने से कुछ देर के लिए अच्छा और एनर्जेटिक तो फील होता है, लेकिन रोज ऐसा करना सही आदत नहीं है। अगर आप कुछ लाइट और एनर्जी से भरपूर ड्रिंक से लेना चाहते हैं, तो अपने रूटीन में कुछ आसान ऑप्शन शामिल कर सकते हैं।

न्यूट्रिशनिस्ट श्वेता शाह ने ऐसे ही 3 देसी एनर्जी ड्रिंक्स के बारे में बताया है, जिन्हें बनाना बिल्कुल ही मुश्किल नहीं है।

ये तीनों स्वाद में एक-दूसरे से काफी अलग हैं, इसलिए रोज एक जैसा ड्रिंक लेने की बोरियत भी नहीं होगी। खास बात यह है कि इन्हें बनाने के लिए आपको बहुत ज्यादा सामान की जरूरत नहीं पड़ेगी।

भिंडी का शरबत : भिंडी का नाम सुनकर आपको शायद लगे कि इससे भला ड्रिंक कैसे बन सकता है। लेकिन, भिंडी के पाउडर को पानी में मिलाकर एक आसान ड्रिंक तैयार किया जा सकता है। यह बाकी आम ड्रिंक्स से थोड़ा अलग है, इसलिए अगर आप कुछ नया ट्राई करना चाहते हैं तो इसे ले सकते हैं।

इसके लिए भिंडी के पाउडर को पानी में अच्छी तरह मिलाएं और इसे ताजा ही पिएं। कोशिश करें कि पाउडर पानी में अच्छी तरह घुल जाए, ताकि पीने में ज्यादा परेशानी ना हो। अगर आपको इसका स्वाद पहली बार में थोड़ा अलग लगे, तो थोड़ी मात्रा से शुरूआत कर सकते हैं।

जालाब ड्रिंक : अगर आपको हल्का मीठा स्वाद पसंद है, तो यह ड्रिंक आपको जरूर पसंद आ सकता है। इसे खजूर, काली किशमिश और थोड़े से पुदीने से तैयार किया जाता है। खजूर और किशमिश की वजह से इसमें अपने आप हल्का मीठा स्वाद आ जाता है।

इसे बनाने के लिए खजूर और काली किशमिश को पहले कुछ समय के लिए पानी में भिगोकर रखें। इसके बाद इन्हें उसी पानी के साथ और थोड़े से पुदीने के साथ मिलाकर ड्रिंक तैयार कर लें। आप इसे अपनी पसंद के हिसाब से थोड़ा गाढ़ा या हल्का रख सकते हैं। इसमें अलग से ज्यादा चीनी डालने की जरूरत नहीं होती, क्योंकि खजूर और किशमिश पहले से ही मीठे होते हैं।



दिल को भावनात्मक तौर पर इतना कमजोर कर देता है कि स्ट्रेस कंट्रोल में नहीं रहता

क्या टूटे दिल से जा सकती है जान? लंदन के कार्डियोलॉजिस्ट ने बताया कब होता है ये जानलेवा



क्या होता है ब्रोकन हार्ट सिंड्रोम

ब्रोकन हार्ट सिंड्रोम सिर्फ इमोशनल एहसास नहीं, बल्कि कभी-कभी गंभीर हृदय संबंधी स्थिति कही जाती है। इसमें किसी तरह का दृढ़, बुरी घटना, किसी के खोने का डर आपके दिल को भावनात्मक तौर पर इतना कमजोर कर देता है कि स्ट्रेस कंट्रोल में नहीं रहता। रिसर्च के मुताबिक, शरीर में एड्रेनालिन और दूसरे स्ट्रेस हार्मोन तेजी से बढ़ जाते हैं। यह हार्मोनल सर्ज कुछ लोगों में दिल की मांसपेशियों की कार्यक्षमता को कुछ समय के लिए प्रभावित करते हैं और उससे जान जाने का खतरा रहता है।



दवाइयों की गलत डोज शरीर के लिए कितनी खतरनाक हो सकती है?

इलाज के दौरान सिर्फ सही दवा लेना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसकी सही डोज और सही समय का ध्यान रखना भी बेहद जरूरी है। दवा की मात्रा में थोड़ी सी भी लापरवाही मरीज की सेहत पर असर डाल सकती है। कई बार मरीज डॉक्टर की सलाह के बिना दवा की डोज बढ़ा या घटा देते हैं, जबकि कुछ लोग पुरानी पर्ची के आधार पर लंबे समय तक दवा लेते रहते हैं। ऐसे में मरीज की सुरक्षा को लेकर सावधानी बरतना जरूरी हो जाता है।

विश्व रोगी सुरक्षा दिवस के मौके पर लोगों को यह समझना जरूरी है कि दवा का सेवन डॉक्टर द्वारा बताई गई मात्रा, समय और अवधि के अनुसार ही किया जाना चाहिए। किसी दवा को लेकर संदेह या भ्रम होने पर खुद से फैसला लेने के बजाय डॉक्टर या फार्मासिस्ट से सलाह लेना ही सुरक्षित तरीका है।

गलत डोज शरीर को कैसे नुकसान पहुंचा सकती है : जरूरत से ज्यादा दवा: निर्धारित मात्रा से अधिक दवा लेने पर शरीर में दवा की विषाक्तता बढ़ सकती है। इससे



गंभीर दुष्प्रभाव हो सकते हैं और कुछ मामलों में शरीर के महत्वपूर्ण अंग प्रभावित हो सकते हैं।

कम मात्रा में दवा: डॉक्टर द्वारा बताई गई मात्रा से कम दवा लेने पर इलाज का अपेक्षित असर नहीं मिल सकता। कुछ संक्रमणों के इलाज में यह दवा के प्रति प्रतिरोध बढ़ने की समस्या भी पैदा कर सकता है।

गलत समय पर दवा लेना: कुछ दवाओं को भोजन से पहले या बाद में लेने की सलाह दी जाती है। समय में गलती होने पर दवा का असर प्रभावित हो सकता है या दुष्प्रभाव बढ़ सकते हैं।

बच्चों में अधिक सावधानी: बच्चों के लिए दवा की मात्रा अक्सर उनकी उम्र और वजन के अनुसार तय की जाती है। वयस्कों के लिए निर्धारित मात्रा बच्चे को देना खतरनाक हो सकता है।

बुजुर्गों में विशेष सावधानी: उम्र बढ़ने के साथ किडनी और लिवर की कार्यक्षमता में बदलाव आ सकता है। ऐसे में कुछ दवाएं शरीर से धीरे बाहर निकलती हैं और उनके प्रभाव या दुष्प्रभाव का खतरा बढ़ सकता है।

दवाओं का आपसी प्रभाव: एक साथ कई दवाएं लेने पर वे एक-दूसरे के असर को प्रभावित कर सकती हैं। इससे दुष्प्रभाव बढ़ने या दवा का असर बदलने की संभावना रहती है।

बिना सलाह दवा लेना

डॉक्टर की सलाह के बिना दवा की मात्रा बढ़ाना, घटाना या दवा बंद करना नुकसानदेह हो सकता है। खासकर लंबे समय तक चलने वाली दवाओं में ऐसा करना जोखिमपूर्ण हो सकता है।

पर्ची समझने में गलती

दवा की मात्रा, कितनी बार लेनी है या कितने दिनों तक लेनी है, इन निर्देशों को गलत समझना भी दवा संबंधी गलती का कारण बन सकता है। दवा को लेकर कोई भ्रम हो तो डॉक्टर या फार्मासिस्ट से पुष्टि करना बेहतर है।

क्या सिर्फ ब्रेकअप से हो सकती है मौत

सिर्फ ब्रेकअप से ही दिल नहीं टूटता। दिल टूटने का मतलब हुआ किसी तरह का सदमा जो दिल बर्दश्त न कर पाए और ऐसे में इंसान का दिल, दिमाग और शरीर पर असर पड़ जाए। इसके पीछे कई कारण जैसे किसी करीबी की मृत्यु, ब्रेकअप या तलाक, धोखा या भावनात्मक सदमा, अचानक बहुत डर या तनाव, कोई बड़ा हादसा, गंभीर शारीरिक बीमारी या सर्जरी हो सकती है। **कैसे लगाएं ब्रोकन हार्ट सिंड्रोम का पता** कई बार ब्रोकन हार्ट सिंड्रोम में सीने में दर्द, सांस फूलना, तेज धड़कन होती है, जिन्हें सिर्फ स्ट्रेस समझकर नजरअंदाज न करें। इसका पता लगाने के लिए ब्लड टेस्ट, ECG, इंको, कोरोनरी एंजियोग्राफी जैसे टेस्ट किए जाते हैं। इससे पता लगा सकते हैं कि ब्रोकन हार्ट सिंड्रोम है या फिर हार्ट अटैक।



ब्रोकन हार्ट सिंड्रोम और हार्ट अटैक के बीच अंतर

ब्रोकन हार्ट सिंड्रोम और हार्ट अटैक के लक्षण कई बार एक जैसे दिखाई दे सकते हैं, लेकिन दोनों की वजह अलग होती है। ब्रोकन हार्ट सिंड्रोम आमतौर पर अचानक हुए इमोशनल या फिजिकल स्ट्रेस के बाद होता है, जिसमें दिल की मांसपेशी कुछ समय के लिए कमजोर पड़ जाती है। ब्रोकन हार्ट सिंड्रोम में आमतौर पर आर्टरी में ब्लॉकिज नहीं मिलता, तो वहीं हार्ट अटैक में आमतौर पर कोरोनरी आर्टरी में ब्लॉकिज के कारण दिल की मांसपेशी तक खून और ऑक्सीजन की सप्लाई सही तरीके से नहीं पहुंचती है।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

वेनिस फिल्म फेस्टिवल: फैशन का जलवा और बंकर की धूम

वेनिस फिल्म फेस्टिवल में जहां एक तरफ शानदार फिल्मों की चर्चा हो रही है, वहीं दूसरी तरफ सितारों का फैशन भी लोगों का ध्यान खींच रहा है। 10 दिनों तक चलने वाले इस फेस्टिवल में हॉलीवुड समेत दुनियाभर के कई बड़े सितारे लिटो ड्रीप पहुंच रहे हैं। इस बार रेड कार्पेट पर सादगी और क्लासी लुक देखने को मिल रहे हैं। खासतौर पर काले रंग के आउटफिट्स का खूब दबदबा है। हालांकि, कुछ सितारों ने अपने चमकीले और अलग अंदाज से खूब सुर्खियां बटोरी हैं। फेस्टिवल की ज्युरी अध्यक्ष मैगी गिलेनहाल भी अपने लुक को लेकर चर्चा में रही। उन्होंने कस्टम ब्लैक सिल्क का असममित बालेंसीआगा गाउन पहना। वहीं, केंडल जेनर का गोल्डन लुक भी लोगों का ध्यान खींच रहा है। केंडल पहली बार वेनिस फिल्म फेस्टिवल में पहुंची हैं और इस खास मौके पर उन्होंने जियोर्जियो अरमानी के 1995 के फॉल-विंटर कलेक्शन का विंटेज आउटफिट पहना। वेनिस फिल्म फेस्टिवल को ऑस्कर से पहले सिनेमा की दिशा का एक अहम संकेत माना जाता है। इस बार गोल्डन लायन की दौड़ में शामिल कई फिल्में गंभीर और राजनीतिक मुद्दों को दिखा रही हैं। डैनी बॉयल की 'इंक', रॉबर्ट पैटनसन और फोबे ब्रिजर्स की 'प्राइमटाइम' और फ्लोरियन जेलर की 'बंकर' जैसी फिल्मों की काफी चर्चा हो रही है। हालांकि, फेस्टिवल की मुख्य प्रतियोगिता में महिला निर्देशकों की कम भागीदारी को लेकर सवाल भी उठ रहे हैं।

टॉलीवुड

यश की फिल्म टॉक्सिक को ₹300 करोड़ का नुकसान!

सुपरस्टार यश की इस साल की सबसे बड़ी फिल्म ‘टॉक्सिक’ बॉक्स ऑफिस पर कमाई के मामले में ठप रही है। पादले दिन के बाद से ही इसकी कमाई घटने लगी और अब इसके बजट को देखते हुए इसे फ्लॉप करार कर दिया गया है। फेमस ट्रेड एनालिस्ट ने इसे लेकर जानकारी भी दी है। ‘टॉक्सिक’ ने दुनिया भर में लगभग 140 करोड़ की ओपनिंग की, लेकिन दूसरे दिन इसकी कमाई तेजी से गिरकर लगभग 37 करोड़ रह गई। 15वें दिन तक, इसकी कुल वर्ल्डवाइड कमाई लगभग 339.32 करोड़ थी। ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने कहा कि फिल्म की कमजोर कहानी और कहानी पर पकड़ की कमी इसके खराब प्रदर्शन की मुख्य वजहें थीं। उन्होंने फिल्म को दो स्टार दिए। उन्होंने यश और एक्शन की तारीफ की, लेकिन इसकी राइटिंग, खासकर दूसरे हाफ की, आलोचना की। जब ‘हनुमान अंश’ और ‘मिर्जापुर: द मूवी’ जैसी दूसरी फिल्मों को ज्यादा स्क्रीन मिलीं, तो ‘टॉक्सिक’ के थिएटर में चलने पर और असर पड़ा। तरण आदर्श के मुताबिक, यश की लोकप्रियता ने ‘टॉक्सिक’ को जबरदस्त ओपनिंग दिलाने में मदद की- खासकर ‘केजीएफ: चैप्टर 2’ के बाद। चार साल के लंबे अंतराल के बाद दर्शक उन्हें बड़े पर्दे पर वापस देखने के लिए उत्साहित थे। हालांकि, दूसरे दिन के बाद कलेक्शन में आई भारी गिरावट ने यह दिखा दिया कि सिर्फ स्टार पावर के दम पर फिल्म को लंबे समय तक नहीं चलाया जा सकता। रिपोटर्स के मुताबिक, ‘टॉक्सिक’ को लगभग 300-350 करोड़ का नुकसान हुआ है।

भोजपुरी

पैसे कमाकर मां का सहारा बनना चाहती हैं : रीति

अभिनेता और नेता मनोज तिवारी की बेटी रीति तिवारी ने ‘बिग बॉस 20’ में अपनी पर्सनल लाइफ और रिलेशनशिप स्टेटस को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि माता-पिता के तलाक का उनकी जिंदगी और रिश्तों को लेकर सोच पर गहरा असर पड़ा है। यही वजह है कि फिलहाल पैसे कमाकर अपनी मां का सहारा बनना चाहती हैं। अपने रिलेशनशिप स्टेटस के बारे में बात करते हुए रीति ने कहा, ‘मेरा कोई बॉयफ्रेंड नहीं है, क्योंकि मैंने अपने माता-पिता का तलाक देखा है। मेरी मां एक सिंगल मदर हैं और मैंने उन्हें संघर्ष करते देखा है।’ रीति ने आगे बताया कि मां को संघर्ष करते देखने के बाद उन्हें यह समझ आया कि आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होना कितना जरूरी है। उन्होंने कहा, ‘मैंने अपनी मां को संघर्ष करते देखा है और यही समझा है कि आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होना सबसे जरूरी है। इस समय मेरा एकमात्र लक्ष्य पैसे कमाना है और आत्मनिर्भर बनना है।’ हालांकि, रीति ने यह भी बताया कि उनकी जिंदगी में एक ऐसा दौर आया था, जब उन्हें अपने बेस्ट फ्रेंड से प्यार हो गया था। लेकिन फिलहाल वह किसी रिश्ते में पड़ने के बजाय अपनी अलग पहचान बनाने और करियर पर ध्यान देना चाहती हैं। गौरतलब है कि मनोज तिवारी और उनकी पहली पत्नी रानी तिवारी (प्रतिभा पांडे) का 2012 में तलाक हो गया था। दोनों के रिश्ते में तनाव की शुरुआत उस वक्त हुई, जब मनोज तिवारी रियलिटी शो ‘बिग बॉस’ में बतौर कंटेस्टेंट शामिल हुए थे। उस दौरान रानी को मनोज और अभिनेत्री श्वेता तिवारी की कथित नजदीकियों को लेकर संदेह था। रिपोटर्स के मुताबिक, इसी वजह से दोनों के रिश्ते में तनाव बढ़ता गया। मनोज तिवारी ने शुरुआत में अपनी शादी बचाने की कोशिश की थी। उनका कहना था कि वह अपनी पत्नी की जिद के कारण तलाक के कागजात पर हस्ताक्षर कर रहे हैं। हालांकि, बाद में दोनों कानूनी रूप से अलग हो गए। तलाक के बाद रीति अपनी मां के साथ रहीं, हालांकि उन्होंने अपने पिता मनोज तिवारी और उनके परिवार के साथ रिश्ते बनाए रखे।

साउथ और बॉलीवुड फिल्मों में अपनी एक्टिंग से खास पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस श्रिया सरन ने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ तस्वीरें पोस्ट की, जिनमें उनका बेहद खूबसूरत और ग्लैमरस अंदाज देखने को मिल रहा है। उनकी इस में डीप नेकलाइन के साथ खूबसूरत ड्रेप डिटेलिंग है। साथ ही नेकलाइन पर सिल्वर और पर्ल वर्क इसे और खास बना रहा है। इस आउटफिट में एक्ट्रेस का लुक काफी क्लासी लग रहा है। अपने लुक को स्टेटमेंट ईयररिंग्स, ब्रेसलेट और रिंग्स के साथ कंप्लीट किया है। उन्होंने बालों को हल्का मेसी अपडू लुक दिया है, जिसमें चेहरे पर आती कुछ लटें उनके लुक को और खूबसूरत बना रही हैं।

किटी कट बना जेन जेड की पसंद, जानें कैसे चेहरे पर जचेगा यह हेयरकट

आपको लेयर कटिंग तो पसंद है लेकिन उसमें भी आप कुछ अलग हटकर लुक करवाना चाहती हैं तो आपके लिए किटी कट हेयर स्टाइल हो सकता है एकदम परफेक्ट। ये ऐसे लेयर हैं जो न बहुत ज्यादा छोटे हैं और न ही बहुत चॉपी। यह हल्के साफ्ट लेयर्स आम तौर पर आपके कंधों और कॉलर बोन की लेंथ तक रहते हैं। इस लेंथ तक होने के कारण ये चेहरे को बेहतरीन फ्रेमिंग देते हैं। साथ ही लंबे कट्टेन बैंग्स लुक को और भी कमाल का दिखाते हैं। **किटी कट में क्या खास है :** किटी कट एक तरह का लेयर कट है जिसमें कट्टेन बैंग्स भी शामिल हैं। सभी लेयर्स आपस में केमोप्लाज होती हैं जिससे ये अलग अलग कटी हुई नहीं नजर आती हैं। यही कारण है कि यह साफ्ट लेयर्स का लुक देती हैं और इसमें बैंग्स और अन्य लेयर्स के बीच गैप नजर नहीं आता। इस कटिंग की खास बात यह है कि यह हर तरीके के ड्रेस और स्टाइल के साथ फिट बैठ जाता है। साथ ही यह लो मॉटेनंस हेयरस्टाइल भी है। बस खास मौकों पर ब्लो ड्राई करिए और हो गए आप पार्टी रेडी।

सीधे बालों पर कैसा लगेगा : सीधे बालों पर यह



श्रिया का बेहद खूबसूरत और ग्लैमरस अंदाज

लाइफ स्टाइल



लुक बहुत अच्छा नजर आता है। ऐसा इसलिए क्योंकि लेयर होने के कारण बालों में मूवमेंट आता है और बाल घने नजर आते हैं। इस कारण बाल चेहरे पर सपाट नहीं दिखते और चेहरे की फ्रेमिंग भी अच्छी तरह होती है।

पार्टी रेडी होने के लिए आपको बस बालों की जड़ों से ब्लो ड्राई की मदद से वॉल्यूम देते हुए बालों को सेट करना है। इससे बाल चेहरे पर चिपककर नहीं आते हैं और घने नजर आते हैं। साथ ही इससे लेयर्स भी बहुत अच्छी दिखते हैं।

वेवी बालों के लिए सबसे आसान

अगर आपके बाल पहले से हल्के वेवी हैं तो किटी कट आपके लिए परफेक्ट है। ऐसा इसलिए क्योंकि इसमें लेयर आपने आप सही खुद को सेट कर लेती हैं और आपको स्टाइलिंग करने के लिए बहुत मेहनत की जरूरत नहीं पड़ने वाली है। बैंग और लेयर्स आपस में ब्लेंड होकर पूरे चेहरे को नेचुरल और साफ्ट लुक देते हैं। आपको बस बालों को धोने के बाद तैलिंग से हल्के हाथ से सुखाना है। इसके बाद उंगलियों से चेहरे के आसपास की लेयर्स को अपनी जगह पर सेट कर देना है। वेक्स को ज्यादा उमारना है तो आप बालों के छोटे छोटे हिस्से लेकर गोले बालों में ही उंगलियों से ट्विस्ट कर दें। इसे सूखने दें, ये अपने आप डीप वेवी लुक में आ जाएंगे।

बारिश में पैरों का रखें खास ध्यान हफ्ते में दो बार खुद ऐसे करें पेडिक्योर

मानसून में महंगे पालर जाने की बजाय आप घर पर ही सप्ताह में करीब दो बार आसान पेडिक्योर रूटीन अपना सकते हैं। इसके लिए बहुत ज्यादा सामान की जरूरत भी नहीं होती। गुनगुने पानी, हल्के साबुन या क्लींजर, फुट स्क्रब और मॉइस्चराइजर की मदद से पैरों को साफ और मुलायम रखने में मदद मिल सकती है। मानसून में महंगे पालर जाने की बजाय आप घर पर ही सप्ताह में करीब दो बार आसान पेडिक्योर रूटीन अपना सकते हैं। इसके लिए बहुत ज्यादा सामान की जरूरत भी नहीं होती। गुनगुने पानी, हल्के साबुन या क्लींजर, फुट स्क्रब और मॉइस्चराइजर की मदद से पैरों को साफ और मुलायम रखने में मदद मिल सकती है। पेडिक्योर के दौरान पैरों को कुछ देर साफ पानी में भिगोने, मृत त्वचा को हल्के हाथों से साफ करने और नाखूनों को सही तरीके से ट्रिम करने पर ध्यान दें। सबसे जरूरी बात है कि सफाई के बाद पैरों, खासकर उंगलियों के बीच की जगह, को अच्छी तरह सुखाएं। आइए जानते हैं बारिश में घर पर आसान तरीके से पेडिक्योर करने का सही तरीका।

बारिश में ऐसे करें घर पर पेडिक्योर

1. सबसे पहले पैरों को अच्छी तरह साफ करें। एक टब में गुनगुना पानी लें और उसमें थोड़ा माइल्ड सोप या फुट क्लींजर मिलाएं। पैरों को करीब 10 मिनट तक पानी में रखें। इससे जमा गंदगी को साफ करने में मदद मिलेगी और त्वचा थोड़ी नरम हो जाएगी।
2. हल्के हाथों से स्क्रब करें। अब फुट स्क्रब की मदद से एडिंयों और पैरों पर हल्के हाथों से मसाज करें। बहुत ज्यादा रुगड़ने से बचें, क्योंकि इससे त्वचा में जलन या छोटे घाव हो सकते हैं। संवेदनशील या फटी हुई त्वचा पर स्क्रब न करें।
3. नाखूनों की सफाई करें। पैरों के नाखूनों को साफ करें और जरूरत के अनुसार ट्रिम करें। नाखूनों को बहुत ज्यादा अंदर तक काटने से बचें। नाखून काटने के बाद उनके किनारों को फाइल कर सकते हैं।
4. पैरों को अच्छी तरह सुखाएं। मानसून में यह स्टेप सबसे महत्वपूर्ण है। पैरों को साफ तैलिंग से सुखाने के साथ उंगलियों के बीच की जगह को भी अच्छी तरह सुखाएं। नमी को लंबे समय तक बने रहने से रोकना जरूरी है।

हाथों पर रचाएं ऐसी मेहंदी, फ्रंट और बैक साइड के ये डिजाइन हैं बेहद खूबसूरत

त्योहार महिलाओं के लिए सजने-संवरने और पारंपरिक श्रृंगार का खास अवसर होता है। हरी चूड़ियां, रंग-बिरंगे कपड़े, बिंदी और खूबसूरत मेहंदी के बिना श्रृंगार अधूरा सा लगता है। इस खास दिन महिलाएं हाथों पर सुंदर मेहंदी लगाकर अपने फेस्टिव लुक को और आकर्षक बनाती हैं। मेहंदी सिर्फ एक डिजाइन नहीं, बल्कि भारतीय परंपरा और त्योहारों की खूबसूरत पहचान भी है। फ्रंट हैंड के लिए फ्लोरल मेहंदी डिजाइन : अगर आप सिंपल लेकिन खूबसूरत मेहंदी लगाना चाहती हैं, तो फूलों वाली डिजाइन एक बेहतरीन विकल्प हो सकती है। हथेली के बीच में बड़ा फ्लावर बनाकर उसके आसपास छोटी पत्तियां और बेल डिजाइन बनाई जा सकती है।



उंगलियों पर छोटे-छोटे पैटर्न जोड़कर डिजाइन को पूरा करें। यह मेहंदी डिजाइन देखने में एलिगेंट लगती है और कम समय में भी तैयार हो सकती है। **मंडला मेहंदी डिजाइन से पाएं ट्रेंडिशनल लुक :** मंडला डिजाइन इन दिनों मेहंदी के सबसे पसंद किए जा सकते हैं।

जाने वाले पैटर्न में शामिल है। इसमें हथेली के बीच में गोल आकार का खूबसूरत डिजाइन बनाया जाता है। मंडला के चारों ओर डॉट्स, पत्तियां, जाली और छोटे फूल बनाकर डिजाइन को और आकर्षक बनाया जा सकता है। यह डिजाइन फ्रंट हैंड के लिए बेहद खूबसूरत दिखती है और तीज के ट्रेंडिशनल लुक के साथ अच्छी लग सकती है। **अरेबिक बेल डिजाइन करें ट्राई :** जिन महिलाओं को हाथों में ज्यादा भारी हुई मेहंदी पसंद नहीं है, वे अरेबिक बेल डिजाइन चुन सकती हैं। इसमें बड़े फूल, पत्तियां और खाली जगह का खूबसूरत कॉम्बिनेशन होता है। कलाई से शुरू होकर उंगलियों तक जाने वाली बेल हाथों को लंबा और सुंदर दिखा सकती है।

सही तरीके से स्टाइल करके ही खूबसूरत और सलीकेदार लुक पाया जा सकता है

बिना पैसे खर्च किए भी दिखेंगी क्लासी बस इन आसान टिप्स को करें फॉलो



कपड़ों की फिटिंग पर दें ध्यान
क्लासी लुक पाने के लिए सबसे जरूरी है कपड़ों की फिटिंग। बहुत ढीले या जरूरत से ज्यादा टाइट कपड़े आपके पूरे लुक को बिगाड़ सकते हैं। अपने पुराने कपड़ों को भी सही तरीके से पहनने पर वे नए और स्टाइलिश नजर आ सकते हैं। अगर कोई आउटफिट थोड़ा ढीला है, तो उसे बेल्ट या सही तरीके से टाक करके स्टाइल किया जा सकता है।

रंगों का रखें खास ध्यान
क्लासी लुक के लिए बहुत ज्यादा रंगों को एक साथ मिलाने की जरूरत नहीं होती। अपने वॉर्डरोब में मौजूद क्लाइट, ब्लैक, बेज, नैवी ब्लू, ग्रे और ब्राउन जैसे बेसिक रंगों को आपस में पेयर करके एलिगेंट लुक पा सकती हैं। एक सिंपल आउटफिट के साथ एक ही स्टेटमेंट कलर भी काफी प्रभावी लगता है।

कपड़ों को अच्छी तरह प्रेस करें

महंगे कपड़े पहनने के बावजूद अगर उनमें सिलवटें हैं, तो लुक खराब लग सकता है। वहीं, साफ और अच्छी तरह प्रेस किए हुए सामान्य कपड़े भी काफी प्रीमियम दिखाई दे सकते हैं। इसलिए बाहर जाने से पहले अपने कपड़ों को अच्छी तरह प्रेस करना न भूलें। **बाल और यूमिंग ही हैं जरूरी**
क्लासी लुक केवल कपड़ों से नहीं बनता। साफ-सुधरे बाल, व्यवस्थित हेयरस्टाइल, साफ नाखून और बेसिक यूमिंग आपके लुक में बड़ा बदलाव ला सकते हैं। इसके लिए महंगे सैलून ट्रिटमेंट की जरूरत नहीं है। घर पर बेसिक यूमिंग और साफ-सफाई का ध्यान रखकर भी आप आकर्षक दिख सकती हैं।



एक्सेसरीज में रखें सादगी

क्लासी दिखने के लिए ढेर सारी ज्वेलरी पहनना जरूरी नहीं है। अपनी पुरानी घड़ी, छोटे ईयररिंग्स, सिंपल बेसलेट या कई पसंदीदा बैग इस्तेमाल कर सकती हैं। 'लेस इज मोर' वाला फॉर्मूला अपनाकर आप बिना किसी नए खर्च के अपने लुक को बेहतर बना सकती हैं। जूते और बैग रखें साफ कई बार पूरी आउटफिट अच्छी होने के बावजूद गंदे फुटवियर या अस्प-व्यस्त बैग लुक खराब कर देते हैं। इसलिए अपने पुराने जूतों और बैग को अच्छी तरह साफ करें। उन्हें सही तरीके से मैच करके पहनने से पूरा लुक ज्यादा सलीकेदार दिखाई देगा।